THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

साप्ताहिक हिन्दी संमाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर

RJHIN/25/A 4779

www.theuncoveredupdate.com | जयपुर, सोमवार 07 सितंबर, 2026 | » वर्ष: 01 | » अंक: 39 | » पृष्ठ: 8 | » मूल्य: 2.00 रू.

गहलोत बोले-कोई सीएम पहली बार निकाय-चुनाव में रोड-शो कर रहा

सरकार ने राजस्थान क्रिकेट को बर्बाद कर दिया; जातिगत जनगणना पर नीयत साफ नहीं

जयपुर।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- यह सोचने वाली बात है कि मुख्यमंत्री को रोड शो करने की नौबत क्यों आई? यह पहली बार है जब कोई मुख्यमंत्री स्थानीय निकाय चुनावों में रोड शो कर रहा है। यह उनके लिए कोई उपलब्धि नहीं, बल्कि उनकी सबसे बड़ी नाकामी है। रोड शो करके उन्होंने खुद सिद्ध कर दिया कि ढाई साल से सरकार कैसे चल रही है और जनता में कितना भारी आक्रोश है। टूटी सड़कों और खराब सीवरेज व्यवस्था से शहर बर्बाद हो रहे हैं। विकास का कोई काम नहीं हो रहा है। गहलोत ने कहा- जातिगत जनगणना के मामले में सरकार की नीयत साफ नहीं है। जिस प्रणाली के जरिए इसे आगे बढ़ाया जा रहा है, वह गलत है। उन्होंने कहा- मौजूदा सरकार ने प्रदेश के क्रिकेट ढांचे को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। पिछले करीब पौने तीन साल से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव नहीं हुए और जयपुर में बन रहे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का काम भी रुका हुआ है। अशोक गहलोत रविवार को जयपुर के एक निजी होटल में मथुरा दास क्रिकेट अवार्ड समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने संजय के. अग्रवाल

न्यायाधीश पुष्पेंद्र भाटी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का सीजे बनाया

जयपुर।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश (सीजे) नियुक्त किया गया है। राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को लेकर हुए विवाद के बाद यह फैसला लिया है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 31 अगस्त को संजय के. अग्रवाल को सीजे बनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद रविवार को राष्ट्रपति भवन ने उनके नियुक्ति ऑर्डर जारी कर दिए। इसके साथ ही राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी का प्रमोशन-राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी को प्रमोट करते हुए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। जस्टिस भाटी की पत्नी नूपुर भाटी भी राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं।

अमेरिका ने ईरानी टैंकर पर हमले का वीडियो जारी किया

ओमान की खाड़ी में डूबा जहाज; तीन टैंकरों को निशाना बनाया था

नई दिल्ली

अमेरिका ने ईरानी तेल टैंकर एम/टी काइलो पर किए गए हमले का वीडियो जारी किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की तरफ से जारी इस वीडियो में काइलो में तेज आग लगी दिखाई दे रही है। टैंकर एक तरफ झुकता है और कुछ देर बाद ओमान की खाड़ी में में डूब जाता है। सेंटकॉम के मुताबिक, टैंकर के चालक दल ने हमला होने के बाद जहाज छोड़ दिया था। यह जहाज कोमोरोस के झंडे के तहत चल रहा था था। हमले में अमेरिकी सेना ने कुल तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया था। इनमें काइलो डूब गया, जबकि दो अन्य टैंकरों को काम करने लायक नहीं छोड़ा गया। इधर ईरान ने रविवार को दावा किया है कि, उसने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी मानवरहित पोत को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अभी इस हमले की पुष्टि नहीं की है। इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और एक युद्धपोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। आईआरजीसी ने बताया कि दोनों अमेरिकी जहाज ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की समुद्री नाकाबंदी में शामिल थे। हमले में दोनों जहाजों को नुकसान पहुंचा। इसके बाद वे इलाका छोड़कर चले गए।

निकाय चुनाव

नाथद्वारा-भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस उम्मीदवार को दिया समर्थन

सीकर में कांग्रेस प्रत्याशी ने बीजेपी कैंडिडेट को दिया आशीर्वाद; जोधपुर में कांग्रेस ने 25-कार्यकर्ताओं को निकाला

कोटा।

सीएम भजनलाल शर्मा ने रविवार को अजमेर में रोड शो किया। इस दौरान सभा में उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने कहा- कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचारी हैं। इन्होंने प्रदेश-देश को लूटा है। हम उनका बैंड बजाकर रहेंगे। इसके बाद सीएम बीकानेर पहुंचे और वहां रोड शो किया। नाथद्वारा में मतदान से महज 3 दिन पहले वार्ड 23 में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रजापत ने कांग्रेस प्रत्याशी अजय गुर्जर को समर्थन देने का ऐलान किया है। सीकर के वार्ड 15 में पूर्व सभापति व कांग्रेस प्रत्याशी जीवण खां ने प्रचार के दौरान बीजेपी कैंडिडेट सिमरन के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। कोटा के वार्ड 54 से बीजेपी प्रत्याशी विवेक राजवंशी और कांग्रेस के मनीष शर्मा ने प्रचार के दौरान एक दूसरे से हाथ मिलाया।

कोटा के वार्ड 64 से बीजेपी प्रत्याशी प्रतिभा सुमन ने ठेले पर मूंगफली सेंकी। कोटा के वार्ड नंबर 33 में रॉयल सनसिटी कॉलोनी के लोगों ने चुनाव में वोटिंग का बहिष्कार कर दिया है। लोगों का आरोप है कि वार्ड में काम नहीं हो रहे हैं। जोधपुर में कांग्रेस ने चुनाव में खड़े हुए बागी और पार्टी के खिलाफ काम करने वाले 25 कार्यकर्ताओं को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया।

निर्दलीय प्रत्याशी के ऑफिस के सामने छोड़े कुत्ते

डूंगरपुर के वार्ड 31 में न्यू कॉलोनी स्थित बीजेपी के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी सुनील जैन के ऑफिस के सामने शुक्रवार को नगर परिषद के शेल्टर होम की गाड़ी ने करीब 15 कुत्ते छोड़ दिए। सुनील जैन का आरोप है कि यह सत्ता का खुला दुरुपयोग है। मुझे कमजोर करने की नीयत से यह हथकंडा अपनाया गया है।

बाड़मेर में आरएलपी प्रत्याशी की रैली में ट्रैक्टर ने दो महिलाओं को कुचला

बाड़मेर शहर के वार्ड संख्या 13 स्थित करमूजी के मोहल्ले में रविवार शाम 5 बजे चुनाव प्रचार के दौरान हादसा हो गया। रैली में चल रहे ट्रैक्टर ने 2 महिलाओं को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल महिलाओं को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। दरअसल, आरएलपी प्रत्याशी नवीन कुमार जैन की समर्थन में रैली निकाली जा रही थी। रैली में चल रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और आगे चल रही 2 महिलाओं कुचलते हुए एक घर में घुस गया। हादसे में झमुदेव (52) पत्नी गौतमचंद और पपुदेवी पत्नी मूलचंद निवासी जैन न्याति न्योरा गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। भाजपा नेताओं ने ड्राइवर पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया है। पूर्व विधायक मेवाराम जैन ने कहा- दोनों महिलाओं की हालत गंभीर है। शहर की गलियां सकड़ी हैं। इसमें ट्रैक्टर से प्रचार करना सही नहीं है। जांच होनी चाहिए।

नाथद्वारा में भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस उम्मीदवार को दिया समर्थन

नाथद्वारा निकाय चुनाव के मतदान से महज 3 दिन पहले वार्ड 23 में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रजापत ने कांग्रेस प्रत्याशी अजय गुर्जर को समर्थन देने का ऐलान किया है। दिनेश प्रजापत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैं जीत भी जाऊंगा तो मेरी सुनवाई नहीं होगी। जबकि अजय गुर्जर जनता की समस्याओं को समझने के साथ उन्हें उचित मंच तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए प्रयास करने का दम रखते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वे भाजपा के हैं और भाजपा के ही रहेंगे। उन्होंने कहा- नाथद्वारा का विकास मंदिर मंडल और नगर पालिका, दोनों के संयुक्त प्रयासों से बेहतर तरीके से हो सकता है। प्रजापत ने कहा कि वे किसी के दबाव में नहीं हैं, बल्कि श्रीजी बावा के प्रभाव में हैं।

सीकर- घोड़े पर बैठकर प्रचार

सीकर के वार्ड 55 में आरएलपी प्रत्याशी राजू देवी काजला के समर्थन में उनके बेटे घोड़े पर बैठकर प्रचार कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी ने बीजेपी कैंडिडेट को दिया आशीर्वाद

सीकर के वार्ड 15 में पूर्व सभापति व कांग्रेस प्रत्याशी जीवण खां और भाजपा उम्मीदवार सिमरन प्रचार के दौरान एक जगह मिले। जीवण खां ने सिमरन के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया।

कोटा में बुजुर्गों के सामने दंडवत हो गईं प्रत्याशी

कोटा के वार्ड 56 से बीजेपी प्रत्याशी सोमा अहलूवालिया प्रचार के दौरान बुजुर्गों के सामने दंडवत हो गईं। इस दौरान उनके साथ मौजूद पति योगेश अहलूवालिया ने भी बुजुर्गों को दंडवत प्रणाम किया। योगेश पूर्व पार्षद हैं।

अलवर में बीजेपी-कांग्रेस की महिला प्रत्याशियों पर कोई केस नहीं

अलवर नगर निगम चुनाव में इस बार निकाय प्रमुख यानी मेयर का पद महिला के लिए आरक्षित है। अलवर को पहली बार महिला मेयर मिलेगी। इसके कारण बीजेपी और कांग्रेस ने 56 महिला प्रत्याशी उतारी हैं। खास बात यह है कि इनमें से एक भी महिला के खिलाफ कोई भी आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है। वहीं पार्टियों के अलावा 79 निर्दलीय महिला प्रत्याशियों पर भी एक भी केस दर्ज नहीं है।

डूंगरपुर में निर्दलीय प्रत्याशी के ऑफिस के सामने नगर परिषद ने छोड़े कुत्ते

डूंगरपुर के वार्ड 31 में न्यू कॉलोनी स्थित बीजेपी के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी सुनील जैन के चुनावी कार्यालय के ठीक सामने नगर परिषद के शेल्टर होम की गाड़ी ने 10 से 15 कुत्ते छोड़ दिए। मामला 4 सितंबर का है। स्थानीय लोगों ने मौके पर ही कड़ा विरोध दर्ज कराया। विरोध के बावजूद गाड़ी का ड्राइवर आनन-फानन में कुत्तों को छोड़कर वहां से रवाना हो गया। सुनील जैन का आरोप है कि यह सत्ता का खुला दुरुपयोग है। मुझे कमजोर करने की नीयत से यह हथकंडा अपनाया गया है।

कोटा में बीजेपी प्रत्याशी ने ठेले पर मूंगफली सेंकी

कोटा में वार्ड नंबर 64 से बीजेपी प्रत्याशी प्रतिभा सुमन प्रचार के दौरान सड़क किनारे मूंगफली के ठेले पर पहुंची और दुकानदार से आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने वहां खड़े होकर मूंगफली सेंकी।

जोधपुर: कांग्रेस ने बागियों सहित 25 कार्यकर्ताओं को निकाला

कांग्रेस ने जोधपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी के बागियों और उनका सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक्शन लिया है। पार्टी के जिला संगठन महामंत्री कुश गहलोत ने बताया- निगम चुनाव में खड़े हुए बागी और पार्टी के खिलाफ काम करने वाले 25 कार्यकर्ताओं को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया।

कोटा में वोटर की जगह हनुमानजी की फोटो

कोटा नगर निगम के वार्ड नंबर 29 की वोटर लिस्ट में लापरवाही सामने आई है। इस वार्ड में भाग संख्या-12 में वोटर जगदीश के पिता, मकान नंबर और अन्य डिटेल तो सही है, लेकिन फोटो की जगह हनुमानजी की तस्वीर लगी है।

जयपुर में लोगों ने एमएलए की गाड़ी को घेरा

जयपुर में शनिवार शाम को आमेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 149 में कांग्रेस प्रत्याशी अंजलि ब्रह्मभट्ट का स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। हांडीपुरा इलाके में अंजलि के समर्थन में पहुंचे आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा की गाड़ी को लोगों ने घेर लिया। उन्हें काले झंडे दिखाए।

कांग्रेस कहती थी-काकाजी भी वन स्टेट-वन इलेक्शन नहीं करवा पाएंगें

सीएम ने कहा-काकाजी ही करवा रहे हैं; भाजपा की संगठन बैठक शुरू

जोधपुर।

निकाय चुनावों को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा का आज जोधपुर दौरा रहा। इस दौरान वे जालोरी गेट पहुंचे और यहां से रोड शो की शुरुआत हुई।

शहर की भीतरी गलियों से निकले इस रोड शो में बड़ी संख्या में शहरवासी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। लोगों ने छतों और बालकनियों से फूलों की बारिश कर स्वागत किया। इधर, रोड शो के बाद रातानाड़ा स्थित जन उपयोगी भवन में सीएम के नेतृत्व में संगठनात्मक बैठक ली।बैठक में सीएम 16 पदाधिकारियों और 108 कार्यकर्ताओं से संवाद किया। वहीं सीएम ने रोड शो के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा- कांग्रेस सरकार में दो-दो साल तक चुनाव चलते रहते थे। हमारी सरकारी आई तो हमने वन स्टेट-वन इलेक्शन का फैसला लियाा। तब कांग्रेसी कहते थे-काकाजी भी वन स्टेट-वन इलेक्शन नहीं करवा पाएंगे। सीएम ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा- अब काकाजी ही करवा रहे हैं। वहीं सीएम ने पिछले निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान में यहां का प्रभारी था। यहां की एक-एक गलियां और वार्डों में घूमा। लेकिन, जोधपुर की जनता का जोश और ताकत पिछली बार की तुलना में बढ़ गया है। इससे पूर्व रोड शो को लेकर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जालोरी गेट पहुंचे हैं। देशभक्ति के गानों पर डांस करते हुए नजर आए। बैठक में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, शहर विधायक अतुल भंसाली, पूर्व महापौर घनश्याम ओझा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता ओर पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

जालोरी गेट से शुरू हुआ रोड शो

जालोरी गेट से शुरू हुआ रोड शो शहर की भीतरी गलियों से निकाला। इस दौरान रोड शो आड़ा बाजार, सर्राफा बाजार, कपड़ा बाजार, कटला बाजार से होकर गुजरा। शहरवासियों ने भी फूलों की बारिश कर स्वागत किया। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने भी सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसमें भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी बाइक के साथ बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

सीएम लेंगे 1 घंटे की बैठक, मिशन भाजपा बोर्ड पर होगी चर्चा

इस रोड शो के बाद सीएम भजनलाल शर्मा संगठन के पदाधिकारियों की बैठक लेंगे। न्यू पॉवर रोड हाउस पर स्थित लघु उद्योग भारती भवन में 1 घंटे तक संगठनात्मक बैठक होगी।

एक-एक वार्ड का फीडबैक लेंगे सीएम

भाजपा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बैठक में सीएम एक-एक वार्ड का फीडबैक लेंगे। सीनियर नेताओं की जवाबदेही भी तय की जाएगी। इसके साथ ही ज्यादा से ज्यादा वार्डों में जीत के एक्शन प्लान पर चर्चा भी करेंगे। बताया जा रहा है कि इसी मीटिंग में वार्डवार जीत की रणनीति भी तय की जाएगी। सीएम का रोड शो इसलिए भी मायने रख रहा है, क्योंकि इससे पूर्व दो नगर निगम में एक मेयर भाजपा और कांग्रेस का था। इससे पहले भाजपा के घनश्याम ओझा मेयर रहे थे।

सीएम बोले- निकाय और पंचायत चुनाव के बाद तीसरा इंजन लग जाएगा

रोड शो के दौरान सीएम ने संबोधित करते हुए कहा-पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। युवाओं के सपनों को कुचलने का काम गहलोत सरकार ने किया है। वे हमसे जवाब मांग रहे हैं, जवाब तो उन्हें देना चाहिए। हमने विधानसभा में कहा था- पांच साल बनाम दो साल के काम की तुलना कर लजिए। लेकिन, इनके लोग मैदान छोड़कर चले गए। वे बोले- संकल्प पत्र में 78 प्रतिशत वादों को पूरा किया है। विधायकों ने जितना मांगा उन्हें उतना बजट दिया है। ढाई साल में विधायकों को 28 करोड़ देने का काम किया है। उन्होंने कहा - निकाय का संकल्प पत्र को भी पीएम के नेतृत्व में पूरा करेंगे। निकाय और पंचायत के बाद इसमें तीसरा इंजन लग जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए कहा- जोधपुर में हमेशा भाजपा विजयी होती है। इस बार यहां की जनता रिकॉर्ड भी तोड़ेगी। हमारे जनप्रतिनिधि जो कहेंगे वो हम करेंगे।

दिल्ली में 5 मंजिला इमारत गिरी, 4 की मौत : दावा- हादसे के वक्त 50 से ज्यादा लोग अंदर मौजूद थे; बेसमेंट में खुदाई हो रही थी

नई दिल्ली।

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 5 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। मरने वालों में एक छात्र और एक मजदूर है, जबकि 2 की पहचान अभी नहीं हुई है। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 12 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मलबे में दबे एक युवक ने अपना वीडियो बनाकर शेयर किया। उसने लोगों से रेस्क्यू की अपील की। घटनास्थल पर मौजूद एक युवक ने भास्कर रिपोर्टर को बताया कि यह युवक उसका दोस्त है। वह बार-बार फोन करके कह रहा है कि मुझे बचा लो। घटना दोपहर 1:30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

राहुल गांधी बोले- स्टूडेंट्स के लिए अच्छे हॉस्टल नहीं

छात्र पीजी में रहने को मजबूर; मोदी ने घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना की

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 2 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 9 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हादसे को लेकर नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। पीएम मोदी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अच्छे हॉस्टल की सुविधा न होने से छात्रों को पीजी में रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना बेहद दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और दुर्घटना से प्रभावित लोगों की सहायता कर रहे हैं।

2 भाइयों समेत 3 बच्चों की डूबने से मौत

1 को ग्रामीणों ने बचाया; पैर फिसलने से डिग्गी में गिरा लड़का, बचाने उतरे थे साथी

हनुमानगढ़।

हनुमानगढ़ जिले में कुंभाराम आर्य लिफ्ट कैनाल से जुड़ी पानी की डिग्गी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। 1 बच्चे को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मरने वालों में 2 सगे भाई शामिल है। जानकारी के अनुसार, पैर फिसलने से 1 बच्चा डिग्गी में गिर गया था। उसे बचाने के लिए बाकी तीनों भी पानी में कूद गए। गहरे पानी और बाहर निकलने का रास्ता नहीं होने के कारण 3 बच्चे डूब गए। बच्चों के डूबने की जानकारी मिलने पर ग्रामीण दौड़कर आए और 1 बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया। ग्रामीण 3 बच्चों को ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसा रावतसर थाना इलाके के बरमसर गांव में हुआ।

मृतक बच्चों के परिजनों से मिले एसपी

सूचना मिलने पर एसपी बी आदित्य रावतसर हॉस्पिटल पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। सकुशल बाहर निकाले गए बच्चे से भी एसपी ने मुलाकात की और मृतकों के परिजनों से भी मिले। इस दौरान रावतसर सीओ विक्रम चौहान और थानाधिकारी अजय कुमार उनके साथ मौजूद थे।

पैर फिसलने से गिरा 1 बच्चा, 3 बचाने के लिए कूदे

एसपी बी. आदित्य ने बताया- बरमसर गांव के 4 बच्चे रामचन्द्र (14) पुत्र सीताराम गोस्वामी, बजरंग (18), उसका भाई कंवरपाल (15) पुत्र श्योनारायण गोस्वामी और सुनील (14) पुत्र जयपाल गोस्वामी रविवार शाम को करीब 4 बजे भेड़ चराने गए थे। इसी दौरान वे कुंभाराम आर्य लिफ्ट कैनाल से जुड़ी बीएसआर-11 की सिंचाई वाली पानी की डिग्गी के किनारे पहुंच गए।

खड़गे बोले- युवा रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा,पीएम आउट ऑफ रीच

नाकामी छिपाने के लिए नाराज फूफा, दिमागी नक्सल जैसे जुमले लेकर लाए

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में छात्रों से किए संवाद को राजनीतिक भाषण बताया। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया- मोदी जी कल दिल्ली विश्वविद्यालय के एसआरसीसी में गए।

यह देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर संवाद का अवसर था। लेकिन अफसोस, युवाओं के सवालों का सामना करने के बजाय भाषण फिर एक राजनीतिक प्रचार में बदल गया। कभी नाराज फूफा तो कभी दिमागी और अर्बन नक्सल। जुमले बदलते रहते हैं, पर मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियां नहीं बदलती। खड़गे ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री जी, आउटरीच तभी करनी पड़ती है, जब आप आउट ऑफ रीच हो जाते हैं। प्रधानमंत्री जी ने अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाया। देश का युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा है।

ओवैसी-बेनीवाल की जोड़ी ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की चिंता, बोले- तीसरे विकल्प से बदलेंगे राजस्थान की सियासत

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। प्रदेश में हो रहे नगर निकाय चुनावों के बीच ढ्ढस्ल्लरू के प्रमुख व हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल की जोड़ी ने भाजपा व कांग्रेस के सामने तीसरे विकल्प की सियासी जमीन तैयार करने का दावा किया है. रविवार रात जयपुर के हवामहल विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 146 में एआइएमआइएम की प्रत्याशी फिरोज बानो के समर्थन में आयोजित जनसभा में बेनीवाल और ओवैसी ने गठबंधन का ऐलान किया. उन्होंने कहा कि उनका यह गठबंधन केवल निकाय चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले विधानसभा और अन्य चुनावों में भी मिलकर बीजेपी व कांग्रेस का मुकाबला करेगा.

मतदाताओं से ओवैसी की अपील

जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमारी पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन परिणाम पक्ष में नहीं आए. इसके बावजूद उन्होंने राजस्थान में सक्रिय रहने का वादा किया था. उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि जब तक लोग अपने वोट से अपनी राजनीतिक लीडरशिप तैयार नहीं करेंगे, तब तक उनकी आवाज सत्ता के गलियारों में मजबूती से नहीं सुनी जाएगी. ओवैसी ने कहा कि राजनीतिक हिस्सेदारी के बिना समाज के सपने पूरे नहीं हो सकते हैं. उन्होंने अपनी पार्टी के राजनीतिक सफर का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके पिता सुल्तान सलाहुद्दीन 1960 में पार्षद का चुनाव जीते थे. उसके बाद उन्होंने लगातार पार्टी को मजबूत किया और मजलिस आगे बढ़ती चली गई. आज देश के हर कोने में मजलिस के कार्यकर्ता हैं. ओवैसी ने कहा कि जहां भी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, वहां उन्हें वोट कीजिए. उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक प्रदेश में राज किया है, लेकिन हमेशा मुसलमानों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया और उनके मुद्दों का समाधान नहीं किया.

भजनलाल सरकार पर तीखा हमला

शिक्षा और महिलाओं के मुद्दे पर घेरते हुए ओवैसी ने राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर भजनलाल सरकार को निशाने पर लिया. उन्होंने कहा कि ष्टत्र की रिपोर्ट ने सरकार की कमियां गिनाई हैं. हजारों स्कूल ऐसे हैं जो जर्जर हैं और उनकी मरम्मत नहीं हो रही है. बच्चियों के स्कूलों में टॉयलेट की व्यवस्था सही नहीं है. ह्रष्टक्रक्च का डेटा कहता है कि राजस्थान में रेप की घटनाएं अत्यधिक हैं और महिला सुरक्षा के मामले में स्थिति चिंताजनक है. भाजपा पर हिंदू-मुसलमान के बीच तनाव पैदा करने का आरोप लगाते हुए ओवैसी ने कहा कि जब सरकारों के पास विकास और रोजगार के मुद्दे पर बताने के लिए कुछ नहीं होता, तब हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने की राजनीति की जाती है.

विधानसभा चुनाव में साथ का संकेत

ओवैसी ने आरोप लगाया कि देश में आज मुसलमानों की मस्जिदों और दरगाहों को तोड़ा जा रहा है. राजस्थान के सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर में मस्जिदों और दरगाहों को यह कहकर तोड़ दिया गया कि ये 50 किलोमीटर के दायरे में आ रही हैं. जिस बॉर्डर पर इतनी सुरक्षा है कि जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता, वहां हिंदू-मुसलमान विभाजन के बाद से लेकर आज तक भाईचारे से रहते आ रहे हैं, लेकिन सरकार वहां भी लोगों को बांट रही है. ओवैसी ने संकेत दिया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में दोनों दल साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरेंगे. ओवैसी और हनुमान बेनीवाल का एक मंच पर खड़ा होना राजस्थान की राजनीति में नए समीकरण पैदा करेगा. उनका लक्ष्य केवल एक समुदाय की राजनीति करना नहीं, बल्कि संविधान के दायरे में रहकर सभी वर्गों को साथ लेकर चलना है. जब तक लोगों को संविधान से मिला उनका जायज हक नहीं मिलेगा, तब तक दोनों पार्टियां मिलकर संघर्ष करती रहेंगी.

राजस्थान की राजनीति में एक नई शुरुआत

आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन को राजस्थान की राजनीति में एक नई शुरुआत बताया. उन्होंने कहा कि किसान, नौजवान, मुस्लिम और अन्य वंचित वर्गों के मुद्दों को मजबूती से उठाने की जरूरत है. उन्होंने ओवैसी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कम समय में बहुत प्रभावी ढंग से अपनी बात रखते हैं और संसद में भी संविधान के दायरे में रहकर मजबूती से मुद्दे उठाते हैं. बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान में लंबे समय से एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की सरकार बनने का सिलसिला चला आ रहा है, लेकिन अब जनता के सामने तीसरी ताकत का विकल्प खड़ा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जाट और मुस्लिम राजनीतिक रूप से पहले भी साथ रहे हैं और आगे भी साथ रहेंगे. यह गठबंधन किसानों, नौजवानों और आम लोगों के मुद्दों को आगे लेकर बढ़ेगा. हनुमान बेनीवाल ने कहा कि उन्होंने पेपर लीक, किसान आंदोलन और अग्निवीर जैसे मुद्दों पर लगातार संघर्ष किया है. उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में 800 थानेदारों की भर्ती हुई थी, जिसमें से 600 थानेदार फर्जी थे. हमने 127 दिनों तक शहीद स्मारक पर धरना दिया और उस भर्ती को निरस्त करवाया. बेनीवाल ने कहा कि यदि मुसलमान, जाट और एससी-एसटी साथ आ गए, तो भाजपा और कांग्रेस का सुपड़ा साफ कर देंगे और दोनों पार्टियां 40 सीटों पर सिमट जाएंगी. उन्होंने कहा कि मैंने तीसरे विकल्प के तौर पर राजस्थान में 2018 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का गठन करके चुनाव लड़ा था, तब हमारी तीन सीटें आई थीं. 2023 में केवल एक ही सीट आई क्योंकि

हमारे समाज के लोग इधर-उधर हो गए थे, लेकिन लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज ने 90त्न एकतरफा वोटिंग करके मुझे चुनाव जिताया. हनुमान बेनीवाल ने आगे कहा कि नगर निकाय चुनाव से भले ही सरकार को कोई फर्क न पड़े, लेकिन जयपुर की धरती से ओवैसी और बेनीवाल ने एक नई राजनीति की शुरुआत कर दी है. उन्होंने कहा कि न केवल राजस्थान, बल्कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में भी हम क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ेंगे. बेनीवाल ने दावा किया कि जब बॉर्डर के इलाकों में मस्जिद और दरगाहों को तोड़ा जा रहा था, तब बीजेपी और कांग्रेस का कोई नेता वहां नहीं गया, लेकिन मैं 500 गाड़ियों के काफिले के साथ वहां गया था और वहां सरकारी बुलडोजरों को भी वापस लौटना पड़ा था. बेनीवाल ने कहा कि मुसलमान और जाट राजनीतिक रूप से एक हैं. जब राजस्थान में मुख्यमंत्री बनाने की बात आई थी, तब जाटों ने बरकतुल्लाह खान को मुख्यमंत्री बनवाने में सहयोग किया था. हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जब संसद में मोदी सरकार नया वक्फ संशोधन कानून लेकर आई थी, तब राजस्थान से कांग्रेस के 8 सांसदों में से एक भी सांसद इसके खिलाफ नहीं बोला, केवल मैं अकेला था जो इसके खिलाफ मजबूती से खड़ा हुआ.

जिस जॉइंट डायरेक्टर को 3 लाख रिश्वत लेते पकड़ा, उसके लॉकर से मिला करोड़ों का सोना-चांदी

द अनकवर्ड अपडेट

राजस्थान में बीते शुक्रवार को जिस संयुक्त निदेशक (जॉइंट डायरेक्टर) को एसीबी ने 3 लाख रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया था. उसके बैंक लॉकर की तलाशी में बड़ी मात्रा में सोना और चांदी बरामद हुआ है. साथ ही बैंक खाते में भी 50 लाख रुपये से अधिक की रकम मिली है. एसीबी ने अधिकारी को कॉन्ट्रैक्ट लेटर जारी करने और बिल पास कराने की एवज में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था. अब एसीबी की टीम अधिकारी के लॉकर से मिले सोने-चांदी के आभूषणों और रकम से जुड़े दस्तावेज और रिकॉर्ड खंगाल रही है.

3 लाख की रिश्वत के साथ हुआ गिरफ्तार

दरअसल, शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारी विभाग के संयुक्त निदेशक जयप्रकाश चारण को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार गया था. एसीबी ने उन्हें कुल 3 लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगेहाथ पकड़ा था. जिसके बाद एसीबी ने रिश्वतखोरी से जुड़े मामले में जांच आगे बढ़ाई और शुक्रवार को जॉइंट डायरेक्टर के बैंक लॉकर की तलाशी ली गई.

करीब 1 किलो सोना, 1 चद्द से ज्यादा चांदी बरामद

एसीबी के अनुसार, लॉकर से करीब 945 ग्राम सोने और 1.027 किलोग्राम चांदी के आभूषण मिले हैं. जिसकी अनुमानित कीमत 1.46 करोड़ रुपये बताई जा रही है. एसीबी की टीम ने संयुक्त निदेशक जयप्रकाश चारण और उनके परिवार के लोगों के 2 बैंकों में चल रहे 9 बैंक खातों की भी जांच की है. एसीबी की जांच में बैंक खाते में कुल 64.2 लाख रुपये मिले हैं.

रकम और सोना-चांदी के स्रोतों की जांच

अब इतनी बड़ी मात्रा में रकम मिलने व लॉकर से मिले सोने-चांदी के आभूषण से जुड़े दस्तावेज और रिकॉर्ड की जांच की जा रही है. साथ ही एसीबी की टीम इनके स्रोत, स्वामित्व और आय के स्रोतों से इनके संबंधों की जांच कर रही है.

वार्ड 74 में आप का चुनावी दमखम, अवतार सिंह चावला ने बताया विकास का विजन

जनता के बीच पहुंचे आप प्रत्याशी, बोले–जीत के बाद वार्ड की मूलभूत समस्याओं का समाधान पहली प्राथमिकता

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 74 में नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशी लगातार जनता के बीच पहुंचकर जनसंपर्क कर रहे हैं और अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हैं।
इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अवतार सिंह चावला ने वार्ड क्षेत्र में जनसंपर्क किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानीं। मीडिया से बातचीत के दौरान चावला ने वार्ड के विकास, स्थानीय समस्याओं और चुनाव जीतने के बाद अपनी प्राथमिकताओं को लेकर अपनी बात रखी।

विकास को लेकर बताया विजन

अवतार सिंह चावला ने कहा कि चुनाव उनके लिए केवल राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि वार्ड की जनता की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए काम करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें मौका दिया तो वार्ड के विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाएगा।
उन्होंने वार्ड में सड़क, सफाई, सीवरेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाने की बात कही।

जीत के बाद पहली प्राथमिकता क्या होगी?

मीडिया से बातचीत में अवतार सिंह चावला से जब पूछा गया कि चुनाव जीतने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता क्या होगी, तो उन्होंने वार्ड की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और जनता की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने की बात कही।
उन्होंने कहा कि वार्ड के लोगों से सीधे संवाद कर समस्याओं की पहचान की जाएगी और संबंधित विभागों के माध्यम से उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

डॉ. विभोर गुप्ता ने बताई आप की रणनीति

इसी दौरान आम आदमी पार्टी के नेता डॉ. विभोर गुप्ता से भी राजस्थान में हो रहे नगर निकाय चुनावों को लेकर पार्टी की रणनीति के बारे में जानकारी ली गई।
डॉ. गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी स्थानीय स्तर पर जनता से जुड़े मुद्दों को चुनावी एजेंडे में प्रमुखता दे रही है। पार्टी का फोकस स्थानीय समस्याओं के समाधान, बेहतर नागरिक सुविधाओं, पारदर्शी व्यवस्था और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर है।

वार्ड 74 में बढ़ी चुनावी हलचल

नगर निकाय चुनाव को लेकर वार्ड 74 में विभिन्न राजनीतिक दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों की ओर से जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। प्रत्याशी लगातार मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हैं। ऐसे में वार्ड की जनता किस प्रत्याशी पर भरोसा जताती है, यह चुनाव परिणाम के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल मालवीय नगर के वार्ड 74 में चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है।

नगर निकाय चुनावः 77 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित, BJP 44 , कांग्रेस 16 और 17 निर्दलीय विजयी

द अनकवर्ड अपडेट

राजस्थान में नगर निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है. 'वन स्टेट वन इलेक्शन' के तहत 2 चरणों में चुनाव होंगे. पहले चरण की वोटिंग 9 सितंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 11 सितंबर को होगी. जबकि मतगणना 14 सितंबर को होगी. राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने निकाय चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है. चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. अब राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों की गतिविधियां तेज होंगी. प्रत्याशियों ने नामांकन भी कर दिया. कुछ प्रत्याशियों के नामांकन रद्द भी हो गए.
शहरी नगर निकाय चुनाव में 77 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. सभी 77 प्रत्याशियों में से 37 महिलाएं विजयी हुई हैं, भाजपा के 44, कांग्रेस 16 और 17 निर्दलीय विजयी हुए हैं.

5वीं बार चुनावी मैदान में बीजेपी के जय-वीरू की जोड़ी, दोनों के नाम दर्ज है खास रिकॉर्ड

द अनकवर्ड अपडेट

कोटा नगर निगम चुनाव में बीजेपी की एक ऐसी जोड़ी फिर मैदान में है, जिसकी चर्चा पार्टी के साथ-साथ उनके समर्थकों के बीच भी खूब होती है. जोड़ी है पूर्व नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी और वरिष्ठ पार्षद गोपाल राम मंडा की. दोनों पांचवीं बार चुनाव मैदान में हैं. खास बात ये है कि इस बार दोनों के वार्ड बदल गए हैं, लेकिन बीजेपी ने दोनों के अनुभव और पुराने प्रदर्शन पर भरोसा जताया है. समर्थक इन्हें 'जय-वीरू' की जोड़ी कहते हैं. अब देखना होगा कि नए वार्ड में ये जोड़ी कितना असर छोड़ पाती है.

दोनों का पांचवा नगर निगम चुनाव

बीजेपी ने कोटा नगर निगम चुनाव में अपने दो अनुभवी चेहरों पर फिर दांव लगाया है. विवेक राजवंशी वार्ड नंबर 54 से तो गोपाल राम मंडा वार्ड नंबर 91 से चुनाव मैदान में हैं. दोनों के लिए ये पांचवां नगर निगम चुनाव है और खास बात ये कि वार्ड बदलते रहे, लेकिन दोनों ने अब तक कोई चुनाव नहीं हारा. दोनों पार्षदों की पहचान सिर्फ चुनावी जीत तक सीमित नहीं रही.
जिन वार्डों का उन्होंने प्रतिनिधित्व किया, वहां सड़क, बिजली, पानी, सीवरेज और सफाई जैसे बुनियादी कामों पर फोकस रहा. पार्कों में सीसीटीवी कैमरे, महिला सुरक्षा से जुड़े प्रयास और कोचिंग स्टूडेंट्स के लिए हेल्पलाइन जैसी पहल भी उनके कामकाज का हिस्सा रही.

समर्थक कहते जय-वीरू की जोड़ी

कई कामों में जनसहयोग को जोड़ा गया और इसी वजह से दोनों की अपने-अपने क्षेत्रों में अलग पहचान बनी. दोनों के वार्ड आसपास रहे तो तालमेल भी खूब दिखा. एक-दूसरे के साथ मिलकर इलाके की समस्याओं को उठाना और विकास कार्यों को आगे बढ़ाना. इस जोड़ी की कार्यशैली का हिस्सा रहा. यही वजह है कि समर्थक इन्हें मजाकिया अंदाज में बीजेपी की 'जय-वीरू' की जोड़ी कहते हैं.
मुश्किल वक्त में लोगों के बीच पहुंचना, जरूरतमंदों की मदद करना और जनसेवा के कामों में जुटे रहना दोनों की राजनीतिक यात्रा का अहम हिस्सा रहा. कोरोना काल हो या फिर कोई आपदा लोगो की मदद ,जनसेवा में खड़े नजर आए. लेकिन इस बार कहानी थोड़ी अलग है. वार्ड बदल गए हैं, मतदाता बदल गए हैं और चुनावी समीकरण भी नए हैं. दोनों नेता अब नए वार्डों में जनसंपर्क कर रहे हैं. समर्थकों का दावा है कि उन्हें लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है.

प्रदूषण नियंत्रण

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जोधपुर में जल एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी कार्यों की समीक्षा की

उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की पालना में 20-सूत्रीय एक्शन प्लान को अंतिम रूप देने पर विस्तृत मंथन

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में जोधपुर, पाली एवं बालोतरा जिलों से संबंधित जल प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरणीय सुधार से जुड़े विषयों पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर जोधपुर श्री आलोक रंजन, जिला कलक्टर पाली डॉ. रविंद्र गोस्वामी, जिला कलक्टर बालोतरा सुशील कुमार, पुलिस आयुक्त,जोधपुर श्री अंशुमान भोमिया, सीईओ जिला परिषद, जोधपुर आशीष कुमार मिश्रा, नगर निगम एवं जेडीए आयुक्त, जोधपुर राहुल जैन, पुलिस अधीक्षक,जोधपुर श्रीमती कमल शेखावत सहित राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, पुलिस,डिस्कॉम,रीको, कृषि, नगर निगम, जल संसाधन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी जिला कलक्टर्स ने अपने जिलों से संबंधित जल प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरणीय सुधार से जुड़े विषयों पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दी।

उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की पालना में तैयार होगा 20-सूत्रीय एक्शन प्लान

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के क्रम में राजस्थान के मुख्य सचिव के स्तर पर एकीकृत समूह का गठन किया गया है। इस समूह द्वारा 20-सूत्रीय एक्शन प्लान तैयार किया जाना है। उन्होंने बताया कि उच्चस्तरीय समिति के साथ विचार-विमर्श के उपरांत इस कार्ययोजना को आगामी सप्ताह माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने संबंधित विभागों को पारस्परिक समन्वय के साथ ठोस, व्यावहारिक एवं परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

जमीनी स्तर पर कार्यों का किया निरीक्षणः मुख्य सचिव ने बैठक से पूर्व बासनी-बेंदा एवं सालावास स्थित एसटीपी का दौरा कर वहां अपनाई जा रही उपचार प्रक्रियाओं एवं संयंत्रों की कार्यप्रणाली का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के संचालन, उपचार की प्रक्रिया तथा उपलब्ध क्षमता के समुचित उपयोग से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्थल निरीक्षण से प्राप्त तथ्यों, औद्योगिक इकाइयों से प्राप्त सुझावों तथा संबंधित विभागों के साथ हुए विचार-विमर्श के आधार पर आगे की कार्ययोजना को अधिक प्रभावी एवं व्यावहारिक स्वरूप दिया जाएगा।

नदी पुनर्जीवन एवं ड्रेनेज लाइन ट्रीटमेंट को मिलेगी प्राथमिकता

बैठक में नदी पुनर्जीवन के लिए आवश्यक कार्यों, ड्रेनेज लाइनों के उपचार तथा प्रदूषित जल के वैज्ञानिक प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को विभिन्न स्रोतों से आने वाले अपशिष्ट एवं सीवेज के समुचित उपचार तथा उपचारित जल के निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रबंधन के लिए समन्वित दृष्टिकोण के साथ कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में भूजल गुणवत्ता की निगरानी को सुदृढ़ करने पर भी विशेष चर्चा हुई। इसके लिए पीजोमीटर एवं हाइड्रोजियोलॉजी आधारित वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से आवश्यक डाटा सेट एकत्रित किए जाने पर विचार किया गया।

प्रो. एन.के. सिंघी स्मृति व्याख्यान

भारतीय संदर्भों में समाजशास्त्रीय चिंतन को मजबूत करने की जरूरतः शर्मा

जयपुर(नि.सं.)। प्रो. एन.के. सिंघी की स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान का विषय 'समकालीन भारत में बदलते सामाजिक मुद्दों का परिदृश्य' रहा। कार्यक्रम में भारतीय समाज, समाजशास्त्रीय चिंतन, सामाजिक परिवर्तन तथा समकालीन सामाजिक चुनौतियों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जी.एल. शर्मा, अतिरिक्त निदेशक , सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने अपने उद्बोधन में आधुनिक समाजशास्त्रीय चिंतन को भारतीय सामाजिक दर्शन से जोड़ते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः और मैं से हम की यात्रा के माध्यम से यह संदेश दिया कि वास्तविक विकास वही है, जिसमें व्यक्ति के साथ समाज और समाज के साथ अंतिम व्यक्ति का कल्याण जुड़ा हो। डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत को अपनी सामाजिक समस्याओं और सामाजिक मुद्दों के समाधान के लिए पश्चिम की नकल करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे पास अपनी गहरी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा है, जिसके आधार पर भारतीय समाज की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए अपने दृष्टिकोण विकसित किए जा सकते हैं। डॉ.शर्मा ने भारतीय सामाजिक दर्शन और आधुनिक समाजशास्त्रीय चिंतन के बीच संबंध को रेखांकित करते हुए कहा कि सामाजिक विकास को केवल आर्थिक विकास के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

न्यूज इन बॉक्स

सीईओ शुभम भैंसारे ने मतदाता जागरूकता साईकिल रैली को दिखाई हरी झंडी

साईक्लिस्ट ने अमर जवान ज्योति से जलमहल तक रैली निकालकर जगाई मतदाता जागरूकता अलख

जयपुर(नि.सं.)। नगरीय निकाय आम चुनाव में आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन कार्यालय जयपुर एवं राजस्थान रोड़ राइडर्स साईकलिंग क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 'स्वीप' कार्यक्रम के तहत अमर जवान ज्योति जनपथ एसएमएस स्टेडियम से जलमहल तक मतदाता जागरूकता साइकिल रैली आयोजित की गई। रैली को अमर जवान ज्योति से स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी एवं सीईओ जिला परिषद् शुभम भैंसारे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं ने भी साईकलिंग कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि जिस प्रकार स्वास्थ्य के लिए साईकलिंग करना आवश्यक है उसी प्रकार स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान अतिमहत्त्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में 09 सितंबर बुधवार को 2 नगरपरिषद् एवं 16 नगरपालिकाओं के 540 वार्डों के वहीं 11 सितंबर शुक्रवार को जयपुर नगर निगम के कुल 150 वार्डों के लिए प्रातः 7:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक मतदान होगा।

शरमन जोशी और ईशा कोप्पिकर राजस्थान फिल्म फेस्टिवल होस्ट करेंगे

14 साल से जयपुर में हो रहा रीजनल फिल्मों का अवॉर्ड शो, देशभर से आएंगे कलाकार

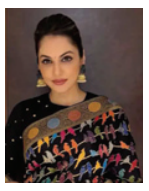

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के 14वें संस्करण का आयोजन 26 सितंबर को मानसरोवर स्थित दीप स्मृति ऑडिटोरियम में किया जाएगा। समारोह की हॉस्टिंग बॉलीवुड एक्टर शरमन जोशी और ईशा कोप्पिकर करेंगे। इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों और विभिन्न भारतीय भाषाओं में निर्मित फिल्मों, कलाकारों, निर्देशकों और सिनेमा से जुड़े प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया जाएगा। राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के इस संस्करण में बॉलीवुड एक्टर शरमन जोशी की मौजूदगी खास आकर्षण होगी। बता दें कि शरमन जोशी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म 'गॉडमदर' से की थी। इसके बाद 'स्टाइल' और 'एक्सक्यूज मी' जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी पहचान बनाई।

एनीमिया प्रबंधन में कम प्रगति वाले क्षेत्रों में तत्काल सुधार के निर्देश

मौसमी बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में सघन सर्वे और विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने प्रदेश में डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया और स्वाइन फ्लू सहित मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रभावित क्षेत्रों में सघन सर्वे और विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रेपिड रेस्पांस टीमों की कार्यवाही के साथ एंटीलार्वा गतिविधियों, सोर्स रिडक्शन तथा अन्य रोकथाम गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए । उन्होंने सर्वे कार्य में तेजी लाने के लिए राजकीय एवं निजी नर्सिंग कॉलेजों से आवश्यक सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए हैं। श्रीमती राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में मौसमी बीमारियों, स्वाइन फ्लू की रोकथाम, चिकित्सा संस्थानों के तैयार भवनों को क्रियाशील करने सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि स्वाइन फ्लू एवं अन्य मौसमी बीमारियों से प्रभावित मरीजों के संपर्क में आए लोगों को भी एहतियातन आवश्यक उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। चिकित्सा संस्थानों में दवाओं, जांच किट्स और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने स्वाइन फ्लू के अधिक प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर कच्ची बस्तियों तथा कोचिंग हब वाले जिलों में हॉस्टल्स पर विशेष ध्यान देने को कहा। इन क्षेत्रों में स्वच्छता, सघन सर्वे और मच्छररोधी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जाएं। जोन स्तर पर संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारियों द्वारा इन गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में स्वाइन फ्लू, डेंगू आदि के मरीजों के लिए आवश्यकतानुसार अलग आइसोलेशन वार्ड आरक्षित रखने तथा पॉजिटिव मरीजों की नियमित रूप से 14 दिन तक निगरानी करते हुए उन्हें पूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

रामसापीर की विधिवत पूजा-अर्चना

रामदेवरा पहुंचकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने किए बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन

जोधपुर/रामदेवरा(वि.सं.)। किए। उन्होंने रामसापीर की विधिवत पूजा-अर्चना कर पवित्र ज्योत के दर्शन किए और देश एवं प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि तथा अमन-चैन की कामना की।

इस दौरान पोकरण केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री एवं जोधपुर सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज सुबह फलोदी से पवित्र तीर्थस्थली रामदेवरा पहुंचकर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शनविधायक महंत प्रतापपुरी महाराज भी साथ रहे। शेखावत ने कहा कि रामदेवरा में प्रतिवर्ष भादवा सुदी द्वितीया से एकादशी तक विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालु दूर-दराज के क्षेत्रों से पैदल यात्रा करते हुए तथा हाथों में ध्वजा लेकर रामदेवरा पहुंचते हैं और बाबा रामदेवजी के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पवित्र माह में बाबा रामदेवजी के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त कर वे स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं।

महिला के बाल काटने वाला भांजा सहित 13 लोग गिरफ्तार

पति सहित 7 को पहले पकड़ा था, ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता से की मारपीट

बांसवाड़ा(वि.सं.)। बांसवाड़ा के अरथूना थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश के चलते विवाहिता से मारपीट और उसके बाल काटने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। 1 सितंबर को पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के सुपरविजन में पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर जांच शुरू की। मामले में पति समेत पहले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अब बाल काटने वाले भांजे समेत 13 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

UNESCO की TENTATIVE LIST में शामिल

शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियों को मिली वैश्विक पहचान

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर बड़ी पहचान मिलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रदेश के शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक और भित्तिचित्रों से सजी हवेलियों को NESCO की Tentative List में शामिल किया गया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि शेखावाटी के अलसीसर, बिसाऊ, चिड़ावा, चूरू, डूंडलोद, फतेहपुर, झुंझुनू, खेतड़ी, लक्ष्मणगढ़, मंडावा, महांसर, नवलगढ़, रामगढ़ और सीकर की ऐतिहासिक हवेलियों को इस सूची में जगह मिली है। यह राजस्थान की विरासत को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की दिशा में अहम उपलब्धि है। दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

शेखावाटी की हवेलियां अपनी अनूठी भित्तिचित्र कला, स्थापत्य शैली और सांस्कृतिक विरासत के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध हैं। हवेलियों की दीवारों पर उकेरे गए जीवंत चित्र राजस्थान की कला और तत्कालीन सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन की समृद्ध झलक प्रस्तुत करते हैं। अब इन हवेलियों को NESCO World Heritage List में शामिल करवाने की दिशा में आगे की प्रक्रिया और प्रयासों को गति मिलने की उम्मीद है। यह उपलब्धि राजस्थान के पर्यटन, कला और विरासत संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बुजुर्ग-दिव्यांगों को बूथ तक जाकर ही वोट देना होगा

लोकसभा चुनाव जैसी घर पर वोटिंग सुविधा नहीं, चुनावी पर्ची भी दावेदारों को बांटनी होगी

बीकानेर(वि.सं.)। स्थानीय निकाय चुनाव में बीकानेर के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को वोट देने के लिए बूथ तक जाना होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की तरह घर पर मतदान कराने की सुविधा नहीं दी है। साथ ही मतदाताओं के घर निर्वाचन आयोग की ओर से वोट की पर्ची भी नहीं पहुंचेगी। ऐसे में प्रत्याशी अपने स्तर पर पर्चियां बांट रहे हैं और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने की जिम्मेदारी भी खुद संभाल रहे हैं।

लोकसभा की तरह घर पर नहीं होगी वोटिंग

अगर किसी घर में बुजुर्ग या दिव्यांग मतदाता है तो परिवार को उन्हें बूथ तक लेकर जाना पड़ेगा। स्थानीय निकाय चुनाव में घर पर पोलिंग की सुविधा नहीं मिलेगी।

10वीं क्लास की छात्रा से रेप

जयपुर में 10वीं क्लास की छात्रा से रेप घुमाने के बहाने सुनसान जगह ले गया

जयपुर। जयपुर में 10वीं क्लास की नाबालिग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। सार्वजनिक पार्क में मुलाकात होने पर आरोपी युवक ने नाबालिग स्कूल छात्रा से दोस्ती कर ली। घूमने के बहाने किडनैप कर सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पोक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवा बयान दर्ज कर आरोपी युवक को अरेस्ट किया है। थानाधिकारी ने बताया- जयपुर की रहने वाली 15 साल की लड़की प्राइवेट स्कूल में 10वीं क्लास में पढ़ती है। दोस्ती कर नाबालिग स्कूल छात्रा का किडनैप कर युवक ने रेप किया। आरोप है कि तीन दिन पहले नाबालिग छात्रा सार्वजनिक पार्क में घूमने गई थी।

पार्क में दोस्ती कर घुमाने के बहाने ले गया

पार्क में उसकी मुलाकात आरोपी 23 साल के युवक से हुई। पार्क में बातचीत के दौरान आरोपी युवक ने उससे दोस्ती कर ली। घूमने चलने के बहाने उसे अपने साथ ले गया।

जागरूकता अभियान

नशे की रोकथाम और साइबर अपराध को लेकर किया जागरूक

अपराध रोकथाम में Y-CLG सदस्य सक्रिय भागीदार बनें:डीजीपी

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव कुमार शर्मा ने अपराध रोकथाम में Y-CLG सदस्यों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने महिला सुरक्षा, नशे की रोकथाम और साइबर अपराध को लेकर आमजन में जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। डीजीपी ने कहा कि पुलिस के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी से अपराधों की रोकथाम और सुरक्षित माहौल बनाने में मदद मिलेगी। Y-CLG सदस्य युवाओं और आमजन के बीच जागरूकता अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेशभर के पुलिस अधिकारियों और पुलिस से जुड़े यूथ-सीएलजी (Y-CLG) सदस्यों से सीधा संवाद किया। उन्होंने यूथ-सीएलजी को पुलिस और आमजन के बीच प्रभावी कड़ी बताते हुए अपराध रोकथाम, साइबर सुरक्षा, रोड सेफ्टी, महिला एवं बालिका सुरक्षा और नशे के खिलाफ जनजागरूकता में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस लता मनोज कुमार और उपमहानिरीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप भी मौजूद रहे। अपराध की आशंका वाली गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें डीजीपी ने कहा कि राजस्थान को देश का सबसे सुरक्षित राज्य बनाने के लक्ष्य में यूथ-सीएलजी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। सदस्य अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखें और अपराध की आशंका वाली गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाएं।

उनके सुझावों से स्थानीय स्तर पर अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूथ-सीएलजी सदस्यों के साथ लगातार संवाद और समन्वय बनाए रखा जाए तथा उन्हें जनसुरक्षा एवं अपराध रोकथाम के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

संपादकीय | बीसीआई ने छात्रों के भविष्य पर लगाया अपना फरमान

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो। गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए। उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित किया जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है। इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता

दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था। सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा? यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। यों भी, बीसीआइ सिर्फ उन्हीं को विनियमित कर सकती है, जो वकील के रूप में नामांकित हो चुके हों। कानून के छात्रों की किसी गतिविधि पर कोई आदेश जारी करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। मगर यह समझना मुश्किल है कि कानून के पेशे के दायरे में काम करने वाली किसी संस्था ने किस प्रावधान के तहत विद्यार्थियों के खिलाफ वह आदेश जारी कर दिया। यह बेवजह नहीं है कि बीसीआइ के उस फैसले के जारी होने की प्रक्रिया पर सवाल उठे और उसके मनमाने रवैये पर जवाबदेही तय करने की मांग की गई। दरअसल, यह एक तरह से बीसीआइ की ओर से अपने अधिकारों की सीमा का अतिक्रमण था और इसे विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति को दबाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा सकता है।

चींटी से मिली जिंदगी की बड़ी सीख

> सयाने समझाते आए हैं कि जो हमारे पास है, उसका भरपूर आनंद लिया जाए, अपने रिश्तों को सहेजा जाए, उनसे प्यार किया जाए। जीवन कुदरत की छोटी-छोटी नियामतों को निहारने और स्पर्श करने और आनंदित होने के लिए है, न कि पद तथा शक्ति की अंधदौड़ में अनजाने में जीवन आनंद को खोने के लिए है। आने वाले दिनों की चिंता छोड़कर वर्तमान को खुल कर जीना चाहिए। इसे खेल की तरह खेल लेना चाहिए, हां, इसमें भटक नहीं जाना चाहिए और न ही इसे अति गंभीरता से लेना चाहिए। ओशो कहते हैं, 'जीत और हार मायने नहीं रखती। मायने यह रखता है कि इंसान ने जीवन को सचमुच गहराई से जिया, या उसे केवल काट लिया।'

अमिताभ स. के

'किनारे पर चुपचाप खड़े रहने से बेहतर है, अपने लिए एक नई दुनिया की राह ढूंढ़ते हुए, दस बार लहरों में डूबकर मर जाना।' यह आधुनिक नर्सिंग आंदोलन की अगुआई करने वाली 'लेडी विद द लैंप' फ्लोरेंस नाइटिंगेल का विचार है। इसे यों समझा जा सकता है कि जीवन में आगे बढ़ना चाहते हो, तो बहरे बन जाओ, क्योंकि आसपास के ज्यादातर लोगों की बातें और सुझाव मनोबल गिराने वाले होते हैं। इसलिए हमेशा अपने अंदर की आवाज को सुनो।

वहीं से प्रगति का मार्ग शुरू होता है। और फिर, हर किसी में अनंत संभावनाएं हैं। जो आज इतिहास हो गए हैं, वे भी कभी इसी संभावना के अंश रह चुके हैं। बेशक तमाम कोशिशों के बावजूद हार मिले, लेकिन जुटने और जूझने से मुंह न फेरना जरूरी है। इसलिए जीवन को एक विराट खेल की तरह जीना चाहिए। फर्क नहीं पड़ता कि कोई हारे, या कोई जीते। क्योंकि बिना एक के हारे दूसरे की जीत मुमकिन नहीं है।

कभी फुरसत मिलने पर नन्ही-सी चींटी को टकटकी लगा कर गौर से देखना चाहिए। चींटी अपने से कई गुना बड़ा पत्ता घसीटते इधर से उधर जाती दिख जाएगी। उसे अपने सफर में तमाम रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वह रुकेगी, रास्ता बदलेगी, फिर अपनी मंजिल की ओर बढ़ जाएगी। अगर उसके रास्ते जमीन पर

कोई दरार आ गई, तो वह क्षण भर रुक जाएगी।

परिस्थिति का भली-भांति जायजा लेगी, फिर पत्ते को दरार के ऊपर टिका देगी। और खुद धीरे-धीरे पत्ते के ऊपर से गुजर जाएगी। दूसरी तरफ पहुंच कर फिर से पत्ता घसीटने लगेगी, और अपना सफर जारी रखेगी। चींटियां रोज-रोज और बार-बार जाहिर करती हैं कि दरारें कभी बड़ी नहीं होतीं, उन्हें पाटने वाले बड़े होते हैं। निहायत छोटे जीव की इतनी बड़ी कोशिश सृष्टि के चमत्कार पर चिंतन करने के लिए विवश कर देती है। नन्हे से नन्हा प्राणी भी विश्लेषण, चिंतन और तर्क खोज कर, आने वाली चुनौतियों पर विजय पाने और प्रश्नों के हल की तरकीब खोजने के लिए कितना सक्षम है, लेकिन यहीं अंतिम पड़ाव पर आकर चींटी की कमजोरी उजागर हो जाती है। चींटी उस बड़े पत्ते को, रास्ते की कड़ी मेहनत-मशक्कत और कार्यकुशलता से अपने गंतव्य यानी बारीक छेद तक तो ले गई, लेकिन उसे छेद के अंदर घुसाने में असमर्थ रह जाती है। कोई रास्ता न सूझता, तो बेचारी पत्ते को वहीं छोड़ कर, खाली हाथ अपने घर में घुस जाती है। सच है कि चींटी ने अपनी यात्रा शुरू करने से पहले नतीजे के बारे में नहीं सोचा होगा। वरना वह पहले बिंदु से ही ऐसा न करती। बेशक पत्ता उसके लिए पूरे सफर का सिर्फ बोझ बन कर रह गया। यही जीवन की बड़ी सीख है- जिंदगी का हर मुकाम इंसान की मर्जी का नहीं होता- कभी वक्त रास्ता चुनता है, तो कभी हालात मंजिल बदल देते हैं। कहा भी जाता है कि जिंदगी की परीक्षा सबसे ज्यादा वफादार होती है, क्योंकि इसका प्रश्नपत्र कभी लीक नहीं होता। हर इंसान अपने घर-परिवार और नौकरी-कारोबार की फिक्र में हरदम डूबा रहता है। इसी उधेड़बुन में कि कहां रहना है, कौन-सी गाड़ी खरीदनी है, कैसे कपड़े पहनने हैं, कौन-से गैजेट नए लेने हैं या उन्हें अद्यतन कराना है!

उसके अंतिम पड़ाव पर पहुंचते-पहुंचते तमाम सांसारिक चीजें छूट जाती हैं, या छोड़नी पड़ जाती हैं। जानते-बूझते भी सफर में ढोते-ढोते अहसास ही नहीं रहता और अनजान बने रहते हैं। इसलिए सभी तमाम बोझ ताउम्र ढोते रहते हैं। अंतिम वक्त पर ही जान पाते हैं कि तमाम तामझाम को साथ ले जा नहीं सकते और बेकार में ढोते रहे हैं। जब होश आता है, तब तक इन्हें ढोते-ढोते सारी उम्र निकल चुकी होती है।

सयाने समझाते आए हैं कि जो हमारे पास है, उसका भरपूर आनंद लिया जाए, अपने रिश्तों को सहेजा जाए, उनसे प्यार किया जाए। जीवन कुदरत की छोटी-छोटी नियामतों को निहारने और स्पर्श करने और आनंदित होने के लिए है, न कि पद तथा शक्ति की अंधदौड़ में अनजाने में जीवन आनंद को खोने के लिए है। आने वाले दिनों की चिंता छोड़कर वर्तमान को खुल कर जीना चाहिए। इसे खेल की तरह खेल लेना चाहिए, हां, इसमें भटक नहीं जाना चाहिए और न ही इसे अति गंभीरता से लेना चाहिए। ओशो कहते हैं, 'जीत और हार मायने नहीं रखती। मायने यह रखता है कि इंसान ने जीवन को सचमुच गहराई से जिया, या उसे केवल काट लिया।'

जब तक इंसान को कहीं पहुंचने का राग है, जब तक कुछ पाने का राग है, तब तक मन अचंचल नहीं हो सकता, चंचल रहेगा। इसमें मन का क्या कसूर है? हम राग कर रहे हैं, मन दौड़ रहा है। विचारक जोनाथन मार्टेसन के शब्द हैं कि 'भावनाएं लहरों की तरह होती हैं। आप उन्हें आने से रोक नहीं सकते, लेकिन आप यह चुन सकते हैं कि किन लहरों की सवारी करनी है।' दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि जीवन एक चक्रव्यूह ही है। इस तथ्य को जानते-समझते अपनी ऊर्जा को खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग आनंद ढूंढ़ने में लगाया जाए। वरना जीवन आनंद छूट जाएगा, क्योंकि जीवन का अंत हो जाता है, चाहतों का नहीं।

'लव लॉटरी' में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी हेली दारूवाला

हेली दारूवाला ने टेलीविजन के चर्चित धारावाहिकों से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक 'नागिन 3' में खलनायिका की भूमिका से पहचान बनाने के बाद वह वर्ष 2025 में 'एक चतुर नार' में टीना गुप्ता की नकारात्मक भूमिका में नजर आईं। अब वह अरविंद पांडे के निर्देशन में बनी 'लव लॉटरी' में अक्षय ओबेरॉय के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

आपको टेलीविजन ने पहचान दी। क्या कभी ऐसा लगा कि उस लोकप्रियता ने आपको एक खास छवि (टाइपकास्ट) में बांध दिया? बतौर अभिनेत्री आपके भीतर सबसे बड़ा बदलाव क्या आया है?

मैंने टेलीविजन में अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ की हैं। मैंने कोई ऐसा शो नहीं किया जो सालों-साल चले और मैं एक ही किरदार में बंध जाऊं। मैंने कोई टिपिकल 'सास-बहू' ड्रामा भी नहीं किया है। मेरा सफर स्कूल और कॉलेज वाले शोज से शुरू हुआ, फिर कजिन्स पर आधारित शो किया और बाद में 'नागिन' जैसा ग्लैमरस शो किया। इसलिए मेरी ऐसी कोई एक छवि नहीं बनी जिससे मुझे बंधने का अहसास हो।

'एक चतुर नार' के बाद आपने फिर से रहस्य और अपराध (सस्पेंस/क्राइम) से जुड़ी कहानी चुनी, जिसमें मर्डर, मिस्ट्री और कोर्टरूम ड्रामा है। इसे चुनने की क्या वजह रही?

इसके बाद मेरे पास यही फिल्म आई और मुझे इसका अपना किरदार बहुत दिलचस्प लगा। ऐसा रोल मैंने पहले कभी नहीं किया था। एक एक्टर के तौर पर मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूँ, इसीलिए मैंने इसे चुना।

अक्षय ओबेरॉय जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ काम करते हुए अपने किरदार के लिए क्या अतिरिक्त तैयारी की?

अनुभवी तो हम दोनों ही हैं, लेकिन हाँ, मैंने उनका काम देखा है। रीडिंग सेशन के दौरान मैंने उनसे काफी टिप्स और इनपुट्स लिए। जब आप साथ में काम कर रहे होते हैं, तो सामने वाले का नज़रिया समझना बहुत जरूरी होता है। अक्षय के साथ केमिस्ट्री बहुत अच्छी रही, वह बहुत बेहतरीन इंसान हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस फिल्म की कहानी में चेहरे के भाव और ठहराव (साइलेंस) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना संवाद। बिना बोले भी अभिव्यक्ति देनी पड़ती है। ऐसा कोई दृश्य जिसने चुनौती दी हो?

हाँ, ऐसे कई सीन थे। इस किरदार की भावनाएं और सोच मेरी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग थीं। मैं असल जिंदगी में वैसी इंसान नहीं हूँ। इसलिए खुद को अलग रखकर एक नकारात्मक या जटिल सोच वाले किरदार की भावनाओं को महसूस करना और स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण था।

सस्पेंस फिल्मों में कलाकारों को दर्शकों से भी काफी कुछ छुपाना पड़ता है, अपने किरदार की परतें नियंत्रित रखनी होती हैं। यह कितना कठिन था?

यह काफी एक्साइटिंग था। एक एक्टर का काम ही यही है कि वह दर्शकों को केवल वही दिखाए जो उस सीन के लिए जरूरी है, न कि अपने मन की बात। मुझे इसके अलग-अलग शेड्स प्ले करने में बहुत मज़ा आया।

आजकल सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग और लोकप्रियता का दबाव रहता है। क्या इसका असर कलाकारों के वास्तविक अभिनय पर पड़ता है?

यह हर इंसान की व्यक्तिगत सोच है कि वह सोशल मीडिया या फेम को कैसे लेता है। मेरे फैंस और फॉलोअर्स मुझसे इसलिए जुड़े हैं क्योंकि उन्हें मेरा काम (टेलीविजन, ओटीटी या डांस) पसंद आया है। वे हमेशा मेरे अगले प्रोजेक्ट का इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया से मुझे दबाव नहीं, बल्कि और अच्छा काम करने की प्रेरणा और उत्साह मिलता है।

फिल्म 'लव लॉटरी' को लेकर क्या उम्मीदें हैं

यह एक पूरी तरह से स्टोरी-ड्रिवन (कहानी पर आधारित) फिल्म है। इसमें काफी ट्विस्ट एंड टर्न्स, सस्पेंस, थ्रिलर के साथ-साथ रोमांस और अच्छे गाने भी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जरूर जुड़ पाएंगे और इसे पसंद करेंगे।

प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिल प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

'मिर्जापुर' की गोलू और श्वेता त्रिपाठी में क्या है खास समानता?

एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म 'मिर्जापुर : द फिल्म' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में एक बार फिर वह गोलू गुप्ता के अपने पसंदीदा किरदार में नजर आने वाली हैं। गोलू का किरदार श्वेता के करियर के सबसे चर्चित किरदारों में से एक रहा है। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि गोलू और उनमें सबसे बड़ी समानता किताबों के प्रति प्यार है, इसलिए जब उन्हें गोलू के किरदार में किताबों से लगाव को समझाने का सीन किया, तो इसके लिए उन्हें अलग से तैयारी या रिसर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। श्वेता ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे कभी ऐसा किरदार मिले, जिसमें उसके व्यक्तित्व का कोई हिस्सा पहले से मौजूद हो। मेरे लिए गोलू कुछ ऐसा ही किरदार रही है। किताबों के प्रति गोलू का लगाव मुझे बहुत अपना लगा, क्योंकि मैं खुद भी कई सालों से किताबें पढ़ती आ रही हूं। मैं अक्सर किताबों की दुकान पर यह सोचकर जाती हूं कि मैं सिर्फ किताबें देखूंगी, लेकिन वहां से कम से कम तीन किताबें लेकर ही निकलती हूं।''

श्वेता ने कहा, ''पढ़ने की आदत ने मेरे सोचने और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल दिया है। किताबों ने मुझे अलग-अलग तरह के लोगों को समझने में मदद की। एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी होता है, क्योंकि किसी किरदार को निभाने से पहले यह समझना पड़ता है कि वह व्यक्ति किसी स्थिति में वैसा व्यवहार क्यों कर रहा है। किताबें इंसान को अपनी जिंदगी से बाहर निकले बिना कई अलग-अलग लोगों और उनकी जिंदगियों को समझने का मौका देती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''किताबों ने मुझे लोगों के बारे में तुरंत राय बनाने से भी बचाया है। पढ़ने की वजह से मैं दूसरों को ज्यादा समझ पाती हूं और मेरे अंदर दूसरों की भावनाओं को महसूस करने की क्षमता बढ़ी है। इसके साथ ही किताबों ने मेरे अंदर लगातार कुछ नया जानने और सीखने की इच्छा भी बनाए रखी है। यही वजह है कि मुझे गोलू के किरदार में भी अपनी सोच की झलक दिखाई देती है।''

श्वेता ने कहा, ''गोलू और मेरे बीच सिर्फ किताबें ही एक समान चीज नहीं हैं। हम दोनों में सवाल पूछने और हर बात को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करने की आदत भी है। हम दोनों कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहती हैं, लेकिन हमारे स्वभाव में एक बड़ा अंतर है। गोलू काफी शांत और कम बोलने वाली है, जबकि मैं खुद बातचीत करना और अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर करना पसंद करती हूं।'' बता दें कि 'मिर्जापुर : द फिल्म' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी फिल्म के सह-निर्माता हैं।

मालामाल वीकली 2 में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है।

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है। इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। ईशा ने कहा, 'मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'स्व्रुत्र'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।'

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है। ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने कहा, ''नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।'

रितेश से एल्विश तक ये सितारे आएंगे नजर

'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

श्वेता बसु की एंट्री से बढ़ेगा 'असुर 3' का सस्पेंस

वेब सीरीज 'असुर' के तीसरे सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अरशद वारसी और बरुण सोबती की इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज की शूटिंग सितंबर 2026 से शुरू होने की तैयारी है। इसकी स्क्रिप्ट भी लॉक हो चुकी है। तीसरे सीजन में श्वेता के किरदार की डिटेल फिलहाल गोपनीय रखी गई है। माना जा रहा है कि उनकी एंट्री कहानी में नई परत जोड़ेगी। वह सीरीज में नया सस्पेंस जोड़ेंगी। वहीं, कास्टिंग अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ और नाम सामने आएंगे। इस बार 'असुर 3' में कैमरे के पीछे भी बदलाव होगा। सीरीज के क्रिएटर और राइटर गौरव शुक्ला पहली बार निर्देशन की कमान संभालेंगे।

कार्थी की फिल्म में दिखेंगी नयनतारा

अभिनेता कार्थी ने हाल ही में निर्देशक मोहन राजा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ नयनतारा या तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस कास्टिंग की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए नयनतारा पहली पसंद हैं। अगर वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं तो 'काश्मोरा' के बाद यह उनकी और कार्थी की दूसरी फिल्म होगी। नयनतारा इससे पहले मोहन राजा के साथ 'थानी ओरुवन', 'वेलैक्कारण' और 'गॉडफादर' में भी काम कर चुकी हैं। अगर नयनतारा अपनी व्यस्तता के कारण फिल्म नहीं कर पाती हैं, तो मेकर्स तृषा कृष्णन से संपर्क कर सकते हैं।

मोहम्मद शमी की वनडे टीम में हो सकती है वापसी

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.

एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज – जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अर्शदीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखना होगा.

शमी ने फिटनेस को लेकर दिया जवाब – प्मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी उनकी फिटनेस को लेकर बयान दे चुके हैं.

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार रेस में

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार का नाम सामने आ रहा है. हालांकि चयनकर्ता अगर टीम में चार तेज गेंदबाज रखना चाहते हैं तो मोहम्मद शमी एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं. शमी के पक्ष में सबसे बड़ी बात उनका अनुभव है. बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव के ज्यादा विकल्प मौजूद नहीं होंगे. ऐसे में शमी की वापसी टीम के पेस अटैक को मजबूती दे सकती है.

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया।

त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स, एजेंसी। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा। ' इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए। रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है। 2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

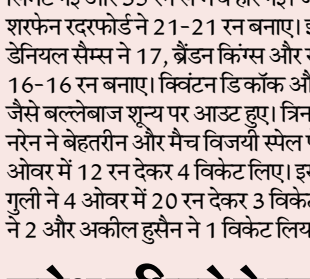

साई ने झटके 5 विकेट

साई किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी, ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल, एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था। इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकडेंकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था। वहीं मैट मॉन्टगोमरी ने वापसी का कैच हाथ से निकाल दिया और हैमंड को 77 रन पर जीवनदान मिल गया। ग्लॉस्टरशायर की चौथे विकेट की जोड़ी ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और 143 गेंदों में शतकीय साझेदारी कर मैच पर अपना दबदबा बना लिया। ब्रेसी ने 75 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्लॉस्टरशायर ने डर्बीशायर को 9 विकेट से हराया

वहीं हैमंड ने जैक मॉर्ली की गेंद को फाइन लेग की ओर खेला और दो रन लेकर 182 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा और करियर का आठवां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। डर्बीशायर ने नई गेंद ली और तेज़ गेंदबाज़ बेन एटचिसन और ब्रेट रैंडेल को दोबारा गेंदबाज़ी पर लगाया। लेकिन ब्रेसी और हैमंड ने लंच तक स्कोर को 3 विकेट पर 268 रन तक पहुंचा दिया। ग्लॉस्टरशायर को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाने के बाद हैमंड ने मार्टिन एंडरसन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला, जहां मॉन्टगोमरी ने उनका कैच पकड़कर उनकी पारी ख़त्म कर दी। हैमंड ने समझदारी से डिफेंस और आक्रमण का अच्छा संतुलन बनाकर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद ब्रेसी भी तीन अंकों तक पहुंच गए। उन्होंने 143 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से इस सीज़न का अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम ने पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही वह 1919 में हैरी स्मिथ के बाद एक मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले विकेटकीपर भी बने। डर्बीशायर को जीत के लिए लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे, लेकिन उसकी कोशिश जीत से ज़्यादा मैच बचाने तक ही सीमित रही। ग्लॉस्टरशायर ने दोनों छोर से स्पिन गेंदबाज़ी शुरू की और बल्लेबाज़ के आसपास क़रीबी फ़ील्डर लगा दिए।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एक साथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चूके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिकेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिकेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी 'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिकेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

यूएस ओपन 2026 ▶ कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका – आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गईं।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'

मुख्यमंत्री विजय ने पुलिस के कल्याण, आधुनिकीकरण पर दिया जोर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को पुलिस दिवस के अवसर पर पुलिस बल को शुभकामनाएं देते हुए उनके कल्याण, कार्यभार में कमी और आधुनिकीकरण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री ने समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के निस्वार्थ सेवाभाव, साहस और त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी न केवल अपराध रोकते हैं, बल्कि प्रतिकूल परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं में भी लोगों की जान-माल की रक्षा करते हैं। विजय ने घोषणा की कि उनकी सरकार पुलिसकर्मियों का कार्यभार कम करने, उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस करने और उनके तथा उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाएं सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण तमिलनाडु के निर्माण के लिए जनता से पुलिस के साथ विश्वास और सद्भाव से काम करने का भी आह्वान किया।

दिल्ली में लाठी-डंडों से पीट-पीटकर युवक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली इलाके में रविवार सुबह 5 बजे एक शख्स की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। ये मामला ईस्ट दिल्ली के मयूर विहार फेज 3 का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव को बरामद किया। मौके पर फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट की टीम को भी बुलाया गया जो सबूत जुटा रही है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटवी फुटेज भी बरामद किया है और अब उसे खंगाल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना के चश्मदीद सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि दो लोग मिलकर एक शख्स को मार रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने सुबह 4 बजे कुछ लोगों को देखा था। वह लोग मुझे भी जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे, जिसके बाद मैं वहां से साइड हो गया और फोन किया। गार्ड ने बताया कि उन्होंने फोन करके पुलिस को इस मामले की जानकारी दी थी। सीसीटीवी फुटेज में दो लोगों को साफतौर पर एक शख्स को डंडों से पीटते देखा जा सकता है। पुलिस इन फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश कर रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध, विधायक को दिखाए काले झंडे, कार पर चढ़े लोग

जयपुर (एजेंसी)। नगर निकाय चुनाव की वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे जयपुर में टिकट वितरण को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। अब आमेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर-149 में कांग्रेस प्रत्याशी अंजलि ब्रह्मभट्ट के विरोध ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। आमेर के हांडीपुरा इलाके में अंजलि ब्रह्मभट्ट के समर्थन में पहुंचे आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा। लोग अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस का टिकट दिए जाने से नाराज हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी की गाड़ी इलाके में पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और नारेबाजी की। विरोध इतना बढ़ गया कि कुछ लोग गाड़ी के पास पहुंच गए और वाहन को रोकने की कोशिश करने लगे। मौके पर मौजूद समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। बताया जा रहा है कि लोगों की मुख्य नाराजगी वार्ड नंबर-149 से निवर्तमान पार्षद अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर है। लोग टिकट वितरण के फैसले का विरोध कर रहे थे और इसी नाराजगी का सामना विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी करना पड़ा।

मायावती का आरोप : राजनीतिक दल जेन-जी आंदोलन को कर रहे हाइजैक

-युवाओं के भविष्य पर जताया संदेह

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने जेन-जी युवाओं और बेरोजगारों के आंदोलनों को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दल इन प्रदर्शनों को हाइजैक कर रहे हैं, जिससे युवाओं और छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा हो रहा है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि इसतरह के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिससे यह साबित होता है कि युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों से जुड़े जेन-जी आंदोलन अब स्वतंत्र न रहकर धीरे-धीरे राजनीतिक हो गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से जंतर-मंतर आंदोलन का जिक्र किया, जहां युवाओं और छात्रों को बड़े सपने दिखाए गए थे, लेकिन अब वे राजनीतिक दलों द्वारा आंदोलनों पर कथित कब्जे के कारण गंभीर संदेह का सामना कर रहे हैं। हालांकि, मायावती ने स्पष्ट किया कि बीएसपी हमेशा जेन-जी और जेन-अल्फा की जायज मांगों के प्रति सहानुभूति रखती है और उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेती है। उन्होंने सभी बीएसपी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मिलकर युवाओं की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में मदद करे। इसके साथ ही, उन्होंने बीएसपी कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पालन करते हुए धरने, प्रदर्शन या आंदोलनों में शामिल न होने की सलाह दी।

अरुणाचल में पहली बार भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक

मौजूदा मुद्दों पर दोनों पक्षों में हुई बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और चीन की सेनाओं ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में पहली बार कोर कमांडर स्तर की महत्वपूर्ण बैठक की। यह वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट के भारतीय क्षेत्र में स्थित वाचा पर हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश से जुड़े सीमा क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करना और उनके समाधान के रास्ते निकलना था।

बात दें कि अरुणाचल प्रदेश में कोर कमांडर स्तर की पहली बातचीत रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरुणाचल का सीमावर्ती इलाका दोनों देशों के लिए अहम है और पहले इसतरह की बैठकें मुख्य रूप से लद्दाख सेक्टर तक सीमित रही हैं। भारतीय पक्ष का नेतृत्व तीन कोर कमांडरों ने किया, जिसमें तेजपुर स्थित 4 कोर और रंगापहार स्थित 3 कोर के प्रमुख शामिल थे, जो अरुणाचल प्रदेश में एलएसी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। भारत-चीन एलएसी पर पांच बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) पॉइंट हैं, जिसमें से दो अरुणाचल प्रदेश में हैं, वाचा इन्हीं दो बीपीएम पॉइंट में से एक है।

यह वार्ता तब हुई है जब भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी है। दोनों देशों की एलएसी को लेकर अपनी-अपनी अलग राय है, इस कारण अक्सर जमीनी स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना ने उन इलाकों में चीनी सैनिकों के रुख से निपटने के लिए बेहद सख्त रवैया अपनाया है, जहां अभी भी मुद्दे अनसुलझे हैं। पूर्व में, लद्दाख सेक्टर में चुशुल-मोल्डो बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर एलएसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बैठकें होती रही हैं, खासकर 2020 की गलवान झड़पों के बाद, जब दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

सैन्य स्तर की यह ताजा बातचीत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की हालिया चीन यात्रा के बाद हुई है। एनएसए डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ 'स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स डायलॉग' के तहत बातचीत की थी, जिसका मुख्य केंद्र सीमा तय करने और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखना था। इस बीच, उम्मीद है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा कर रहे है। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) ने भी पूर्वोत्तर में हॉटलाइन बनाने और कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बातचीत की संभावनाओं का स्वागत कर 'एक स्वागत योग्य कदम' बताया है।

मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटके, बारिश और भूस्खलन से बढ़ी चिंता

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। प्रकृति के कुपित रूप का अनुभव पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला इन दिनों कर रहा है। भारी बारिश और भूस्खलन की लगातार घटनाओं के बाद, शनिवार देर रात भूकंप के झटकों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी। यदि प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति को देखना हो, तो नेपाल जैसी जगहों पर आई विनाशकारी आपदाओं को याद किया जा सकता है, और अब मुर्शिदाबाद में भी प्रकृति का रौद्र रूप एक के बाद एक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार देर रात 10 बजकर 24 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई, जबकि भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। एनसीएस ने इसका केंद्र मुर्शिदाबाद में ही रिकॉर्ड किया है। हालांकि इन झटकों से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन अचानक आए कंपन से लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब मुर्शिदाबाद जिला पहले से ही प्रकृति के अन्य प्रकोपों से जूझ रहा है। पिछले कुछ दिनों से यहां भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन भूस्खलनों ने एक बार न्यू फरक्का रेल रूट को भी बाधित कर दिया था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद यातायात के लिए बहाल किया जा सका है। अब उसी मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटकों ने लोगों की बेचैनी को और बढ़ा दिया है।

क्या अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे?: राजभर

सहारनपुर,, एजेंसी।
यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सहारनपुर की कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पूछा कि अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे? क्या आप मसूद भाई की बातों का समर्थन करेंगे? यूपी पूछ रहा है, बताइए ना? उन्होंने यह बात मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद मिल रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के जवाब में कही।

बता दें सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद को लेकर विवाद था। इस पर नगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में वाद दायर किया गया था, जिसमें मस्जिद अपने पक्ष में सुबूत नहीं दिखा सका, जिस पर इस मस्जिद के ध्वस्तीकरण के साथ ही 6 करोड़ से अधिक की क्षतिपूर्ति का आदेश पारित किया गया। मस्जिद पक्ष नगर मजिस्ट्रेट के फैसले के खिलाफ जिला अदालत में गया, लेकिन अदालत ने सुबूतों को देखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद शनिवार तड़के प्रशासन ने मस्जिद को गिरा दिया। इस पर स्थानीय सांसद इमरान मसूद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी ऐतराज जताया, लेकिन सबको हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। इमरान मसूद ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्त करने के सवाल पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग धार्मिक स्थलों को गिराते हैं और दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। उन्होंने इसे गलत ठहराया।

नेपाल जैसा भारत में भी ग्लेशियल झीलों से विनाश का खतरा: एनडीएमए

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाल ही में ग्लेशियर फटने से नेपाल में आई भीषण तबाही के बाद भारत में भी ऐसे ही विनाश की आशंका जताई जा रही है। देश की 40 ग्लेशियल झीलों को संभावित खतरे में बताया है, जिनमें से 7 को अत्यधिक उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। एनडीएमए के मुताबिक, नेपाल-तिब्बत सीमा से सटे भारतीय इलाकों में स्थित ये झीलें कभी भी एक बड़े संकट का कारण बन सकती हैं। नेपाल में हाल ही में हुए ग्लेशियर फटने से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 4,000 से ज्यादा लापता हो गए थे, जिसने भारत को भी सतर्क कर दिया है। इस भयावह परिदृश्य के मद्देनजर, एनडीएमए ने विशेष रूप से सिक्किम में 40 उच्च-खतरे वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान की है, जिनमें से 7 को उच्च जोखिम श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। इन 40 संवेदनशील झीलों में से 16 का वर्गीकरण हो चुका है, जबकि 13 अभी भी वर्गीकृत नहीं हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 16 प्राथमिकता वाली संवेदनशील झीलों में से 13 का विस्तृत वैज्ञानिक आकलन किया गया है। इनमें से अधिकांश झीलें लगभग 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इस संभावित आपदा से बचाव के लिए सिक्किम राज्य ने कई महत्वपूर्ण उपाय प्रस्तावित किए हैं। सिक्किम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव संदीप तांबे ने बताया कि हालिया आकलन में झीलों की गहराई, पानी की मात्रा, मोरेन की मजबूती और हिमस्खलन व भूस्खलन से होने वाले खतरों की जांच की गई है। प्रमुख उपायों में शाको चू झील में सोलर-पावर्ड पंपों का उपयोग करके जल स्तर को 20 से 40 मीटर तक कम करना शामिल है, जिससे लगभग 80 लाख घन मीटर पानी निकाला जाएगा। दूसरा प्रस्ताव साउथ-नॉर्थ लोनाक क्लस्टर के लिए है, जहाँ डोलमा संपांग में लगभग 24 किलोमीटर नीचे एक पत्थर-चिनाई वाली रोक संरचना का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि संभावित बाढ़ के बल को कम किया जा सके। तीसरा प्रस्ताव गुरुदोंगमार झील परिसर के लिए है, जहाँ अधिकारी मोरेन प्लग पर एक सुरक्षा दीवार बनाने पर विचार कर रहे हैं, ताकि पवित्र झील को नुकसान पहुंचाए बिना पानी के निकलने को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा, सिक्किम अपने रियल-टाइम निगरानी और पूर्व-चेतावनी सिस्टम का विस्तार भी कर रहा है। शाको चू, केरांग और डोलमा संपांग में स्वचालित निगरानी स्टेशन पहले से ही कार्यरत हैं, और अधिकारी डॉप्लर वेदर रडार लगाने के लिए जगहों की तलाश कर रहे हैं। राज्य में 400 से अधिक ग्लेशियल झीलें हैं, जिनमें से फिलहाल 16 को अत्यधिक संवेदनशील बताया गया है। यह नवीनतम आकलन अक्टूबर 2023 में हुई भीषण ग्लेशियल झील आउटबर्स्ट बाढ़ के बाद आया है।

राज्यसभा न भेजे जाने पर बोलीं स्मृति: पद नहीं, अवसर महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय टीम में अपनी वापसी के बाद विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी है। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान, उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से मिली हार के बाद राज्यसभा न भेजे जाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के संगठन में पद केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक अवसर होता है। ईरानी ने कहा, अगर राजनीतिक ताकत ही महत्वपूर्ण होती, तो मैं कभी अमेठी नहीं जाती। क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अमेठी भाजपा के लिए एक हारने वाली सीट रही है। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी 2011 से 2019 तक राज्यसभा सांसद रही थीं। इसी दौरान उन्होंने 2019 के चुनाव में अमेठी में राहुल गांधी के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

अपनी राजनीतिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए, ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा में अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह पहली बार 2003 में युवा मोर्चा महाराष्ट्र में पदाधिकारी बनी थीं, और उनके साथ तत्कालीन उपाध्यक्ष देवेंद्र फडणवीस थे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि उस समय उन दोनों ने कभी नहीं सोचा था कि वे आज इस मुकाम पर पहुंचेंगे। ईरानी ने प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे जैसे नेताओं को प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई सराहना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एक समर्पित भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, ईरानी ने बताया कि युवा मोर्चा के समय वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की मदद के लिए घर से पेट्रोल और पानी के पैसे भी मांगती थीं। इस पर उनके घरवाले कई बार उन्हें टोकते थे। उन्होंने कहा, तब हम कहते थे कि हाँ, ताकि हम अपने साथियों की मदद कर सकें। उन्होंने अपने संगठन मंत्री वी. सतीश जी का भी जिक्र किया, जिन्होंने उन्हें गरीब कार्यकर्ताओं की मदद करने और उन्हें साथ लेकर चलने की सीख दी। ईरानी ने जोर देकर कहा कि ऐसे मजबूत संगठन और पृष्ठभूमि से आने पर पद का महत्व गौण हो जाता है। एक साक्षात्कार के दौरान, स्मृति ईरानी से बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान वायरल हुए वीडियो पर भी सवाल पूछा गया, जिसमें विपक्ष ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें नजरअंदाज किया था। इस पर ईरानी ने जवाब दिया, हाँ, उस समय मैं और दादा (मिथुन चक्रवर्ती) एक साथ ही बैठे हुए थे। वीडियो में पीएम मोदी की पीठ दिखाई दे रही है। किसे पता है कौन किसको हाथ जोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वह पल बेहद भावुक करने वाला था, और मंच पर मौजूद हर व्यक्ति की अपनी कहानी थी, खासकर बंगाल में कार्यकर्ताओं ने बहुत कुछ झेला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री उन पुराने कार्यकर्ताओं का अभिवादन कर रहे थे, जिन्होंने बंगाल में उनके लिए गालियाँ सुनी हैं। ईरानी के अनुसार, मायने रखती है तो केवल जीत और बंगाल के कार्यकर्ताओं को मिलने वाला न्याय।

सागर में जहरीली शराब से अब तक 12 लोगों की मौत, 35 अस्पताल में भर्ती

-रात में बिगड़ी थी तबीयत, मरने वालों में चार गांवों के लोग शामिल

सागर, एजेंसी।
मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब पीने से अबतक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर बनी बताई जा रही है। मौतों का आंकड़ा और भी बढ़ने की आशंका है। डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। घटना के बाद प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है। शराब पीने वाले लोगों को चेकअप के लिए अस्पताल लाया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल और पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बंडा पहुंचे। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली और मामले की जांच शुरू कराई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बंडा में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के मुताबिक मृतकों में गोलू उर्फ चमन लोधी (45), निवासी गूगरा खुर्द, दिग्विजय लोधी (28), निवासी नौराज, करतार सिंह लोधी (30), निवासी नौराज, उजियार सिंह लोधी (56), निवासी गूगरा खुर्द, रोशन लोधी (30), निवासी पाटन थाना विनायका और राजेंद्र लोधी (32), निवासी नौराज-गूगरा शामिल हैं। गोलू उर्फ चमन को पहले से कैंसर की शिकायत होने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं हरनाम राय (42), निवासी चौका, उत्तम नत्थू नायक (42), निवासी दलपतपुर, मंगल रजक (40), निवासी गूगरा खुर्द, परम आदिवासी, निवासी हिनौता और धनसिंह आदिवासी (30), निवासी हिनौता को गंभीर हालत में बीएमसी सागर रेफर किया गया है। प्रशासन और पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जहरीली शराब की आशंका को लेकर भी जांच की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब पी है या जहरीली शराब के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत स्क्रीनिंग कराएं। उन्होंने कहा कि लोग स्थानीय डॉक्टरों की टीम से संपर्क कर सकते हैं या सीधे अस्पताल पहुंचकर जांच करा सकते हैं। मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कहा गया है।

अल नीनो ने बढ़ाई चिंता, इस साल आखिरी महीने में और बढ़ सकता है प्रभाव

-समुद्र के अंदर जमा अतिरिक्त गर्मी अल नीनो को और कर सकती है मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस साल दुनिया के कई हिस्सों में मौसम अपना रौद्र रूप दिखा रहा है। भीषण गर्मी, हीटवेव, मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब मौसम विशेषज्ञों के बीच प्रशांत महासागर में मजबूत हो रहे अल नीनो को लेकर चिंता है। आशंका जताई जा रही है कि साल के आखिरी महीनों में इसका प्रभाव और तेज हो सकता है और फरवरी 2027 तक मौसम के असामान्य हालात बने रह सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो उस स्थिति को कहा जाता है, जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर की समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के तापमान, बारिश और मौसमी गतिविधियों पर पड़ता है। इस बार समुद्र के तापमान में हो रही बढ़ोतरी ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। अल नीनो 3.4 सूचकांक से जुड़े आंकड़ों में जुलाई में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से करीब दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा बताया। बाद की साप्ताहिक रीडिंग में यह अंतर बढ़कर करीब 2.2 से 2.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र की गहराई में भी असामान्य गर्मी दर्ज की गई है। जुलाई और अगस्त में प्रशांत महासागर के कुछ गहरे हिस्सों में पानी का तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि समुद्र के अंदर जमा यह अतिरिक्त गर्मी अल नीनो को और मजबूत कर सकती है। इसी वजह से इसके संभावित प्रभाव को बेहद गंभीर माना जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से जारी आकलनों के मुताबिक अल नीनो की स्थिति के फरवरी 2027 तक बने रहने की संभावना है। इसके 2026 के अंत तक मजबूत होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी बढ़ते वैश्विक तापमान और चरम मौसम की घटनाओं को लेकर चिंता जता चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र के बढ़ते तापमान के साथ दुनिया के कई हिस्सों में गर्मी और अन्य चरम मौसमी घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। भारत के लिए अल नीनो विशेष चिंता का विषय है। मजबूत अल नीनो का असर भारतीय मानसून पर पड़ सकता है, जिससे बारिश कमजोर या अनियमित होने का खतरा रहता है। इसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। हालांकि, अल नीनो का हर बार भारत के मानसून पर एक जैसा प्रभाव नहीं पड़ता और अन्य मौसमी कारक भी अहम भूमिका निभाते हैं। सर्दियों को लेकर भी तस्वीर साफ नहीं है। अल नीनो वैश्विक तापमान और मौसमी पैटर्न को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारत में इस बार सर्दी आएगी ही नहीं। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले महीनों में समुद्री तापमान, मानसूनी परिस्थितियों और अन्य वायुमंडलीय संकेतकों पर नजर रखना जरूरी होगा।

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्तिःकहा-

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, हमारी सीमाएं अटल, इनसे समझौता नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना हमें मंजूर नहीं है। भारत की सीमाएं अटल हैं, इससे समझौता नहीं हो सकता। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को दुनिया के नक्शे को नए तरीके से दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा। अभी दुनिया में मर्केटर मैप काफी इस्तेमाल होता है। इसमें नक्शे पर ध्रुवों के पास के इलाके अपने असली आकार से बड़े दिखाई देते हैं। नए तरीके को इक्वल एरिया प्रोजेक्शन कहा गया है। इसमें अफ्रीका पहले से बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्से भी पहले की तुलना में छोटे दिखाई दे सकते हैं।

भारत को आपत्ति क्यों है

भारत को ह्व के इस नए नक्शे के तरीके से आपत्ति नहीं है। भारत ने बराबर क्षेत्रफल दिखाने वाले नक्शे के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। उसकी आपत्ति नक्शे में भारत के क्षेत्र को गलत तरीके से दिखाए जाने की संभावना को लेकर है।

राजस्थान में मानसून,20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

4 बड़े बांधों के गेट खुले, दो लबालब होकर छलके

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान में मानसून एक बार फिर पूरी ताकत के साथ सक्रिय हो गया है। प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने रविवार को जयपुर समेत 20 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते जहां कई नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं सवाई माधोपुर, बारां, बूंदी और कोटा संभाग में रपटें जलमग्न होने से कई संपर्क मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। इस मानसूनी सक्रियता से पूर्वी राजस्थान में तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है, जिससे सितंबर के पहले सप्ताह में ही दिन के समय रात जैसी ठंडक का अहसास हो रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बारिश का यह सिलसिला 8 सितंबर तक बना रहेगा, जिसके बाद मानसूनी गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। सवाई माधोपुर के खंडार में 4 इंच पानी बरसा, पूर्वी जिलों में झमाझम पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश दर्ज की गई=

खंडार में सर्वाधिक 102 मिमी बारिश: सवाई माधोपुर जिले के खंडार में सबसे ज्यादा 4 इंच (102 मिमी) बारिश रिकॉर्ड की गई।

3 इंच तक वर्षा वाले जिले: करौली, भरतपुर और अलवर जिलों के कई हिस्सों में 3 इंच तक तेज पानी बरसा।

मध्यम से भारी बारिश: जयपुर, अजमेर, दौसा, टोंक, सीकर, भीलवाड़ा, बारां, बूंदी, कोटा और धौलपुर में 1 से 2 इंच तक वर्षा दर्ज की गई, जिससे शहरी और ग्रामीण इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई।

जलाशय लबालब: 4 बांधों से पानी की निकासी, 2 बांध ओवरफ्लो

नदियों और कैचमेंट एरिया में पानी की तेज आवक के कारण बांधों के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है

खुले गेट: कोटा के नवनेरा बांध के 7 गेट, झालावाड़ के कालीसिंध बांध के 3 गेट, धौलपुर के पार्वती बांध के 2 गेट और भरतपुर के बंध बारैठा के 2 गेट खोलकर पानी की नियंत्रित निकासी की जा रही है।

छलके बांध: धौलपुर का रामसागर डैम और सवाई माधोपुर का मान्सरोवर बांध अपनी पूर्ण भराव क्षमता पार कर लबालब हो गए और उन पर चादर चलने लगी है।

पारे में 6 डिग्री की गिरावट, पूर्वी राजस्थान में ठंडक; पश्चिमी जिले अब भी तप रहे

लगातार हो रही बारिश और बादलों के डेरे से राजस्थान के मौसम में दोतरफा रंग देखने को मिल रहा है

दिन में रात जैसी ठंडक: जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, करौली और सवाई माधोपुर सहित पूर्वी राजस्थान में अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री नीचे गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस से भी कम दर्ज किया गया है। सुबह और शाम के साथ-साथ दोपहर में भी हल्की ठंडक महसूस की जा रही है।

पश्चिमी राजस्थान में गर्मी बरकरार: इसके विपरीत, पश्चिमी राजस्थान (जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर आदि) में अब भी उमस और गर्मी का प्रभाव बना हुआ है, जहां दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया जा रहा है।

हाड़ौती और ढूंढाड़ अंचल की स्थानीय नदियों में जलस्तर बढ़ने से निचले पुलों और रपटों पर पानी फिर गया है।

एसोसिएशन के चेयरमैन और सचिव ने कोटा में बिरला से की मुलाकात

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को जेएसए सिल्वर शो के उद्घाटन का आमंत्रण

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन की ओर से बिरला ऑडिटोरियम में 22 से 24 नवंबर तक होने वाले JSA सिल्वर शो के उद्घाटन समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। एसोसिएशन के चेयरमैन उज्जवल डेरेवाला और सचिव राहुल गंगवाल ने गुरुवार को कोटा में बिरला से मुलाकात कर उन्हें शो के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान बिरला ने जयपुर सिल्वर एसोसिएशन की ओर से देशभर के प्रमुख ज्वेलरी मैन्युफैक्चरर्स और होलसेलर्स को एक मंच पर लाने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान और खास तौर पर जयपुर की चांदी के कारोबार में वैश्विक पहचान है। देशभर से लोग यहां सिल्वर ज्वेलरी खरीदने आते हैं। ऐसे में जयपुर के सिल्वर उद्योग को और बढ़ावा देने की जरूरत है।

जयपुर में सिल्वर इंडस्ट्री के लिए अलग जोन बनाने की जरूरत

बिरला ने कहा कि जयपुर में सिल्वर इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए अलग से सिल्वर जोन बनाए जाने चाहिए। इससे सिल्वर कारोबार से जुड़े मैन्युफैक्चरर्स, होलसेलर्स और कारीगरों को एक जगह बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। साथ ही जयपुर की सिल्वर इंडस्ट्री को देश-दुनिया में अपनी पहचान और मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

देश-विदेश के मैन्युफैक्चरर्स और होलसेलर्स होंगे शामिल

जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के चेयरमैन उज्जवल डेरेवाला ने बताया कि JSA सिल्वर शो में देश-विदेश के प्रमुख ज्वेलरी मैन्युफैक्चरर्स और होलसेलर्स हिस्सा लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

जयपुर जिले की मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन एवं अधिग्रहण

09 एवं 11 सितम्बर को होने वाले मतदान के लिए मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित

जयपुर(नि.सं.)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में मतदान के लिए निर्धारित मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) संदेश नायक द्वारा राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत नगर निगम, नगर परिषद एवं नगरपालिकाओं के निर्वाचन के लिए चयनित मतदान केन्द्रों एवं उनमें सम्मिलित निर्वाचन क्षेत्रों की सूची प्रकाशित की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 दो चरणों में आयोजित होंगे।

अमेरिका ने ईरानी टैंकर पर हमले का वीडियो जारी किया

ओमान की खाड़ी में डूबा जहाज; तीन टैंकरों को निशाना बनाया था

अमेरिका(एजेंसी)।अमेरिका ने ईरानी तेल टैंकर M/T काइलो पर किए गए हमले का वीडियो जारी किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) की तरफ से जारी इस वीडियो में काइलो में तेज आग लगी दिखाई दे रही है। टैंकर एक तरफ झुकता है और कुछ देर बाद ओमान की खाड़ी में में डूब जाता है। टैंकर के चालक दल ने हमला होने के बाद जहाज छोड़ दिया था। यह जहाज कोमोरोस के झंडे के तहत चल रहा था था। हमले में अमेरिकी सेना ने कुल तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया था। इनमें काइलो डूब गया, जबकि दो अन्य टैंकरों को काम करने लायक नहीं छोड़ा गया। इधर ईरान ने रविवार को दावा किया है कि, उसने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी मानवरहित पोत को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अभी इस हमले की पुष्टि नहीं की है।

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण

जयपुर। श्री परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का आज रविवार को ज्ञानपीठ की पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण किया गया। इस दिव्य प्रतीक में भारतीय ज्ञान-परम्परा, अनुसंधान और मानवीय उत्कर्ष का दृश्य-संकल्प दर्शाया गया है। लोकार्पण ज्ञानपीठ के कार्यकारी अध्यक्ष हरि प्रसाद शर्मा, विक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बसोतिया, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा,परमेश्वर शर्मा और नरेंद्र हर्ष ने संयुक्त रूप से किया।

'वोट नहीं दिया तो थानों के चक्कर लगाने पड़ेंगे' राजस्थान निकाय चुनाव के बीच जूली का भाजपा पर आरोप

जयपुर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शनिवार को भाजपा पर हमला बोला है. जूली ने कहा कि निकाय चुनाव में हार की आशंका से भाजपा बौखला गई है और राजनीतिक गुंडागर्दी और सत्ता के दुरुपयोग पर उतर आई है. सवाई माधोपुर जिले के बामनवास में एक बैठक के दौरान भाजपा की एक नेता द्वारा मतदाताओं को धमकाए जाने का वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने यह बात कही है. उन्होंने आरोप लगाया कि बामनवास पंचायत समिति की प्रधान शशिकला मीणा ने भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल, पार्टी प्रत्याशी राजेंद्र मीणा और खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी की मौजूदगी में लोगों को धमकी दी कि यदि उन्होंने भाजपा को वोट नहीं दिया तो उन्हें पुलिस थानों के चक्कर लगाने पड़ेंगे.

सत्ता के नशे में चूर है भाजपा

नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि सरकार के संरक्षण में की जा रही खुली राजनीतिक गुंडागर्दी है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा नेताओं ने लोकतंत्र को अपनी जागीर और सरकारी तंत्र को अपना राजनीतिक हथियार समझना शुरू कर दिया है.

उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भी भाजपा की ''कठपुतली'' की तरह काम करने और मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया. जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री (भजनलाल शर्मा) जी, यह सिर्फ अहंकार नहीं है, बल्कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा को दिखाई दे रही करारी हार की हताशा है. उन्होंने दावा किया कि जनता ''इस अहंकारी सरकार'' को अपने मत की ताकत से सत्ता से बाहर करेगी.

09 और 11 सितंबर को होगी वोटिंग

जूली ने कहा कि राजस्थान की जनता डरने वाली नहीं है और वह चुनाव में भाजपा की धमकियों, तानाशाही तथा सत्ता के दुरुपयोग का ''ब्याज समेत हिसाब करेगी. भाजपा और निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. राजस्थान में 309 शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव दो चरण में 09 और 11 सितंबर को होंगे.

इनमें 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाओं में पार्षद के 10,245 पदों के लिए मतदान होगा. मतगणना 14 सितंबर को होगी. शहरी निकायों के प्रमुखों का चुनाव 21 सितंबर को और उप महापौर, उप सभापति तथा उपाध्यक्षों का चुनाव 22 सितंबर को होगा.

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की जिले की चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा

सुरक्षित मातृत्व एवं स्वस्थ शैशव के लिए नवाचारों के प्रभावी क्रियान्वयन, हाई रिस्क प्रेगनेंसी की सतत मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने जोधपुर के डॉ. संपूर्णानंद मेडिकल कॉलेज के सभागार में जिले की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक ली।

श्रीनिवास ने सुरक्षित मातृत्व, गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाओं एवं स्वस्थ शैशव के लिए संचालित कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए हाई रिस्क प्रेगनेंसी की प्रभावी मॉनिटरिंग, गुणवत्तापूर्ण एंटीनेटल केयर तथा नवजात शिशुओं के लिए कंगारू केयर जैसी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रसव सखी सहित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े नवाचारों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उपयोगी कार्यप्रणालियों को अन्य चिकित्सा संस्थानों में भी अपनाने की आवश्यकता रेखांकित की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को समयबद्ध परामर्श, आवश्यक जांच एवं समुचित फॉलोअप उपलब्ध कराने तथा हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान से लेकर उपचार तक निरंतर निगरानी की व्यवस्था प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

उम्मेद चिकित्सालय में मानक प्रोटोकॉल एवं उपचार प्रक्रियाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने उम्मेद चिकित्सालय में अत्यधिक मरीज भार के मद्देनजर उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों एवं उपचार व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने ऑपरेशन थिएटरों में निर्धारित मानक चिकित्सा प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना, उपचार प्रक्रियाओं की नियमित मॉनिटरिंग तथा मरीजों की सुरक्षा के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

अजमेर में सीएम के रोड शो के बाद कांग्रेस ने जारी किया 'ब्लैक पेपर', पूछा- 36 साल में भाजपा ने शहर को क्या दिया?

अजमेर। शहर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोड शो के जवाब में कांग्रेस ने ब्लैक पेपर जारी किया है. ब्लैक पेपर के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि विगत 36 वर्षों से नगर निकाय में भाजपा का बोर्ड होने और अजमेर शहर की दोनों विधानसभा सीटों पर पांच बार से भाजपा विधायक होने के बावजूद यह शहर बदहाल है. कांग्रेस ने सीएम शर्मा के रोड शो को लेकर तंज कसा है कि अजमेर में भाजपा कमजोर हो चुकी है, इसलिए मुख्यमंत्री को खुद यहां आकर प्रचार करना पड़ रहा है.

36 साल से अजमेर में भाजपा का बोर्ड- अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार जयपाल ने कहा कि कांग्रेस की ओर से भाजपा के खिलाफ जो ब्लैक पेपर जारी किया गया है, वह असल में उनके कुशासन का एक काला अध्याय है. पिछले 36 साल से अजमेर निकाय में भाजपा के बोर्ड और 25 साल से अजमेर शहर की दोनों सीटों पर काबिज भाजपा विधायकों ने विकास के नाम पर कुछ नहीं किया. विकास के नाम पर अजमेर में बजट तो आया, लेकिन सेवन वंडर्स और फूड कोर्ट को तुड़वाकर उस पैसे की भारी बर्बादी की गई.

सीएम के रोड शो में बज रहे थे डीजे

डॉ. राजकुमार जयपाल ने सीएम भजनलाल शर्मा के रोड शो को पूरी तरह फ्लॉप बताते हुए कहा कि निकाय चुनाव के प्रचार के लिए मुख्यमंत्री आए तो सही, लेकिन वे एक भी जनसभा नहीं कर पाए. उनके रोड शो में भीड़ जुटाने के लिए शहर में ग्रामीण क्षेत्रों से लोग बुलाने पड़े. डॉ. जयपाल का आरोप है कि रोड शो के लिए प्रशासन ने जबरन बाजार की दुकानें बंद करवाई, जब कांग्रेस ने शहर में रैली निकाली तो प्रशासन ने आचार संहिता का हवाला देकर डीजे बंद करवा दिया था, लेकिन सीएम शर्मा के रोड शो में चार से यादा डीजे बज रहे थे।

एमपी में जहरीली शराब से 11 मौतें:सागर में 24 लोग भर्ती, बीमारों के शरीर नीले पड़े

मध्य प्रदेश(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, मामला बंडा थाना क्षेत्र के नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है। जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

कलेक्टर बोले- मिथाइल अल्कोहल के सेवन से मौत की आशंका

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे। उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी।

राजस्थान हाईकोर्ट **जस्टिस संजय के. अग्रवाल की नियुक्ति को केंद्र की मंजूरी**

राजस्थान हाईकोर्ट को मिला नया नियमित मुख्य न्यायाधीश

राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार संभालेंगे। उनके शपथ ग्रहण का समारोह राजभवन में आयोजित किया जाएगा, जहां राज्यपाल उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब राजस्थान हाईकोर्ट में प्रशासनिक और न्यायिक स्तर पर विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा का दौर चल रहा है। ऐसे में एक नियमित मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति को हाईकोर्ट के प्रशासनिक और न्यायिक कामकाज की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 31 अगस्त को कॉलेजियम ने की थी सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 31 अगस्त को जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी और अब राष्ट्रपति भवन से नियुक्ति का वारंट भी जारी कर दिया गया है। इस तरह उनकी नियुक्ति की औपचारिक प्रक्रिया पूरी हो गई है। जस्टिस अग्रवाल के पास न्यायिक कार्यों के साथ-साथ प्रशासनिक जिम्मेदारियों का भी लंबा अनुभव है।

जिसे राजस्थान हाईकोर्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रतनपुर में हुआ जन्म, बिलासपुर और रायपुर से की उच्च शिक्षा

जस्टिस संजय के. अग्रवाल का जन्म 15 जुलाई 1965 को रतनपुर, बिलासपुर में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा रतनपुर से हासिल की।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक तारावंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।